

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित



उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर में राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध को लेकर इतिहासकारों ने केवल नैरेटिव बनाया। युद्ध में केवल विजय महाराणा प्रताप की हुई। मुगलों के ही इतिहासकार लिखते हैं कि मुगलों को पीछे खिसकना पड़ा। फिर विजय किसकी हुई? सभा में निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर ने कहा कि- हमें एक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मलयुक्त कीचड़ से कार्कारोचों की जन्म होता है। हमें ध्यान रखना होगा कि हमें उस ओर जाना है जहां

भागवत बोले: इतिहासकार केवल नैरेटिव बनाते हैं

● हल्दीघाटी के युद्ध में विजय केवल महाराणा प्रताप की हुई ● मुगलों को पीछे हटना पड़ा

कीचड़ से कमल पैदा होता है। दरअसल, महाराणा प्रताप की जयंती 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 साल पूरे होने पर उदयपुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज उदयपुर के गांधी ग्राउंड में सभा का आयोजन किया गया।

अकबर की जयंती कहीं नहीं मनती, साफ है महाराणा जीते-भागवत: आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज हम महाराणा प्रताप की जयंती मनाते हैं, लेकिन अकबर की जयंती पूरी दुनिया में कोई नहीं मनाता। इससे साफ है कि लड़ाई

महाराणा प्रताप जीते थे। महाराणा प्रताप अभी भी जीवित हैं- महाराणा प्रताप स्वाभिमानी, न्यायप्रिय और सभी को अपना मानने वाले थे। इसलिए उनका नेतृत्व सभी ने स्वीकार किया। उनके साथ हर समाज के लोग थे। वहीं, भारत के दूसरे हिस्से ईतजार कर रहे थे। महाराणा प्रताप अकेले ही खड़े रहे, लेकिन झुके नहीं। महाराणा प्रताप अभी भी जीवित हैं। ये बातें हमारे मुंह से इसलिए निकलती हैं क्योंकि वो हमारे मन के भीतर छुपे हैं, थोड़ा प्रयास करके उनकी बातें अपनी जीवन में अपनानी चाहिए।

इतिहासकारों की आदत नैरेटिव बनाने की रहती है- भागवत... झांसी की रानी की मृत्यु के बाद और नाना साहब पेशवा के नेपाल जाने के बाद बाद बाबू कुंवर सिंह वापस जगदीशपुर गए। उन्होंने अंग्रेजों से अपना राज वापस ले लिया। करीब दस महीने तक जगदीशपुर स्वतंत्र रहा, लेकिन अंग्रेजों ने वया लिखा कि हम पहुंचे तो बाबू सिंह भाग गए। हमारे 50 सैनिक मारे गए, लेकिन बाबू सिंह भाग गए। ऐसा इतिहासकारों ने नैरेटिव बनाया। ऐसा ही महाराणा प्रताप के समय हुआ होगा।

टेलीग्राम नीट-यूजी सी-एग्जाम तक बैन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची

> सीईओ बोले- पेपर लीक करने वालों की जगह भारत के 15 करोड़ यूजर्स को सजा मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत नीट-यूजी सी-एग्जाम से पहले एप पर अस्थायी रोक लगाई गई है। कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को सरकार की तरफ से टेलीग्राम पर बैन की जानकारी दी थी। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी। टेलीग्राम का



फैलाने और छात्रों से ठगी करने के लिए कर रहे थे। एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि 'कोई विकल्प' नहीं बचा था। क्योंकि जालसाज इसका दुरुपयोग कर रहे थे। सरकार के आदेश पर मूल और एपल ने प्ले स्टोर से भी टेलीग्राम एप हटा दिया है।

मैसेज-एडिटिंग फीचर भी 30 जून तक बंद किया गया है। टेलीग्राम सीईओ ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इस फैसले से भारत के 15 करोड़ से ज्यादा

टेलीग्राम यूजर्स को सजा मिली है, न कि उन लोगों को जिन्होंने पेपर लीक किया था। इस बैन से कुछ भी नहीं रुकेगा। लीक करने वाले दूसरे एप्स पर शिफ्ट हो जाएंगे।

: झीफ बॉक्स :

अन्नामलाई 14 सितंबर को अपनी पार्टी घोषित करेंगे **टीम में 50 से कम उम्र के ही सदस्य होंगे; 'वी द लीडर' आंदोलन चला रहे**



नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई 14 सितंबर को अपनी नई पार्टी के नाम, नीति और संगठन की घोषणा करेंगे। वे नवंबर-दिसंबर में पूरे राज्य का दौरा करेंगे। अन्नामलाई 'वी द लीडर' आंदोलन के जरिए युवाओं को जोड़ रहे हैं। अपने गृहनगर अरावकुरिची में प्रशिक्षण शिविर शुरू किया है।

एनसीआर के चारों राज्यों में बनेगी एक-एक नमो सिटी

दिल्ली-एनसीआर में लगने वाले प्रतिबंध से राहत मिलेगी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में चार ग्रीन फील्ड ब्लू सिटी (नमो सिटी) विकसित होंगी। एनसीआर में शामिल चारों राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में एक-एक नमो सिटी होगी, जिन्हें एक चुनौती के जरिए चुना जाएगा। शहरी मामले मंत्रालय ने नमो सिटी विकास के लिए अगले 5 वर्षों में 5 हजार करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान रखा है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में मंगलवार को यह फैसला हुआ।

पीएम के विशेष विमान में राष्ट्रीय प्रतीक की अधूरी झलक

डूंगरपुर की 13 साल की लड़की ने पकड़ी चूक

» पीएमओ को पत्र लिखकर दिया सुझाव

डूंगरपुर, एजेंसी। जिस बात पर वर्षों से देश के बड़े-बड़े अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रोटोकॉल से जुड़े लोगों का ध्यान नहीं गया, उसे डूंगरपुर की 13 साल की बेटी ने पकड़ लिया। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली किम भारतीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष विमान 'एयर इंडिया वन' पर अंकित राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक स्तंभ' की अधूरी दिखाई देने



वाली छवि को लेकर चिंता जताई है। उसने इस संबंध में 15 जून को सोधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को पत्र लिखकर सुझाव भेजा है।

फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा के दौरान टीवी पर देखा तो खटका... किम प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से डूझी खबरें और तस्वीरें नियमित रूप से देखती हैं। हाल ही में जब प्रधानमंत्री फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर थे, तब टीवी पर प्रसारित दृश्यों को देखते हुए किम की नजर एक तकनीकी चूक पर गई। उसने गौर किया कि जैसे ही विमान का मुख्य दरवाजा खुलता है।

गुरुग्राम में 'पीस डॉग' आलोका से मिलने उमड़ी भीड़

3,700 किमी की पदयात्रा कर चर्चा में आया; इंस्टाग्राम पर 4.82 लाख फॉलोअर

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम में 'आलोका' नाम के एक डॉग से मिलने के लिए हजारों लोग इकट्ठा हुए। कार्यक्रम में पशु प्रेमियों ने डॉग के साथ कई फोटोज भी क्लिक कराए। वहीं एक प्रसंशक डॉक के पास बैठकर हाथ जोड़े भी नजर आया। आलोका ने 2 दिन पहले दिल्ली में बोद्ध भिक्षुओं संग पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से भी मिला। इससे पहले आलोका ने बोद्ध

बौद्ध भिक्षु पन्नकारा ने बताया...

आलोका कोलकाता की गलियों में घूमता रहता है। एक शांति यात्रा के दौरान ही बौद्ध भिक्षुओं की इससे मुलाकात हुई। इसके बाद आलोका ने उनके साथ कई देशों की शांति यात्रा की।

भिक्षुओं के साथ अमेरिका में वॉक फॉर पीस में करीब 3700 किलोमीटर की पैदल यात्रा की है। इस यात्रा के बाद आलोका भारत आया।

रांची में संघ कार्यालय पर फेंका गया पेट्रोल बम

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ बोले- बड़ी साजिश का संकेत

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया थाना के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय पर मंगलवार देरात पेट्रोल बम से हमला करने की कोशिश की गई है।

पुलिस के अनुसार, दो अपराधियों ने सांस की बोतल में पेट्रोल भरकर उन्हें आरएसएस दफ्तर के अंदर फेंकने की कोशिश की। दोनों बोतलें बाउंड्री से ठीक पहले गिर गईं, इसलिए बड़ी अन्वेषी टल गई।

सिटी एसपी पासरा राणा ने बताया कि घटना की जांच शुरू

कर दी गई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में दो युवक शामिल हैं। जांच में एफएसएल सहित कई टीमों को लगाया गया है। हाथे लगे

सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावर पेट्रोल भरी बोतलें आरएसएस कार्यालय पर फेंकने की कोशिश करते दिख रहे हैं। पहली बोतल फेंकते समय आग लगी हुई सुतली जमीन पर गिर गई। इस वजह से प्रयास निष्फल हो गया। दूसरी बोतल कार्यालय के पास तक नहीं पहुंची। उन्होंने कहा पेट्रोल बम तैयार करने में चिली सांस की बोतल का प्रयोग किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चर्चा यह है कि आरएसएस कार्यालय के पास स्थित एक होटल के कुछ

कर्मचारी पूरे मामले में संदिग्ध है। कुछ दिन पहले आरएसएस कार्यालय के कुछ लोगों ने गंदगी और अन्य वजह से होटल के खिलाफ शिकायत दर्ज करावाई गई थी। इसी के बाद से यह विवाद चला आ रहा था। पुलिस को भी आशंका है कि इस हमले में होटल के कर्मचारियों का हाथ हो सकता है। इस घटना की सूचना मिलते ही केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी आरएसएस ऑफिस पहुंचे। भाजपा नेताओं ने राजधानी की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है।

अमेरिका ने सबसे बड़े सैन्य कमांड से 'इंडो' शब्द हटाया

चीन के खिलाफ भारत को अहमियत देने के लिए ट्रम्प ने ही नाम बदला था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड (यूएसआईएनडीओपीकोम) का नाम बदलकर फिर से यूएस पैसिफिक कमांड (यूएसपीकोम) कर दिया गया है। अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था। उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर (इंडियन ओशन) क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर (पैसिफिक ओशन) की सुरक्षा

व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है। 2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था। अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का

महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं। इसलिए कमांड के नाम में इंडो (हिंद महासागर) को भी शामिल किया गया था।

उत्तराखंड-हिमाचल के 17 गांव डूबेंगे तो 6 राज्यों को फायदा

किशाऊ परियोजना पर बनी सहमति, अब कैबिनेट मंजूरी का इंतजार

देहरादून, एजेंसी। करीब 86 साल से फाइलों और बैठकों के बीच अटक की शाऊ बहु-उद्देशीय बांध परियोजना अब अपने सबसे अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। वर्षों से जल बंटवारे, लागत साझेदारी और राज्यों के बीच सहमति जैसे मुद्दों में उलझी यह परियोजना आखिरकार आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण बैठक में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड,

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान किशाऊ परियोजना के क्रियान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही उत्तर भारत की

नेतृत्व में केंद्र सरकार लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को सहमति के जरिए आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। किशाऊ परियोजना पर बनी यह सहमति भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। रूथ पर हस्ताक्षर होने के बाद परियोजना को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा।

बैठक में क्या हुआ फैसला?

सबसे अहम फैसला परियोजना के जल घटक की लागत को लेकर हुआ। तय किया गया कि जल घटक के कार्य की कुल लागत का 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार के केंद्रीय सहायता के रूप में वहन करेगी। शेष 10 प्रतिशत खर्च छह राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान द्वारा साझा किया जाएगा। बैठक में एक और महत्वपूर्ण सहमति बनी। हिमाचल प्रदेश के विद्युत घटक की लागत में हिस्सेदारी के बदले हिमाचल प्रदेश को आवंटित पानी की हिस्सा दिल्ली और राजस्थान को उपलब्ध कराया जाएगा।

गुरुग्राम में जमकर गरजा बुलडोजर, गौलेरिया रोड पर 13 अवैध व्यावसायिक ढांचे

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के जिला नगर योजनाकार एनफोर्समेंट (डीटीपीई) ने मंगलवार को गुरुग्राम में लाइसेंसी भूमि पर किए गए अवैध निर्माणों और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 अवैध व्यावसायिक गतिविधियों को ध्वस्त कर दिया। यह अभियान डीटीपीई अमित मधोलिया के नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में चलाया गया। विभाग के अनुसार, कार्रवाई डीएलएफ फेज 4 गैलेरिया रोड स्थित चक्करपुर क्षेत्र की उस लाइसेंसी भूमि पर की गई, जो खसरा नंबर 446/1/1 मीन, 466 मीन, 465 मीन और 461 मीन के अंतर्गत आती है। यहां लंबे समय से बिना अनुमति विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। वहीं, तोड़फोड़ अभियान के दौरान जिन अवैध निर्माणों को हटाया गया उनमें केमिस्ट शॉप, टायर शॉप, पेट शॉप, हार्डवेयर शॉप, कार



बैटरी शॉप, फ्लोरिस्ट शॉप, अनधिकृत कार्यालय, पेट शॉप, कैफे, स्टोर, आयनर एवं स्टील गोदाम और कबाड़ डीलर समेत अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल थे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि उक्त भूमि के लिए वर्ष 2004 में लाइसेंस नंबर- 85 के तहत एक कमर्शियल प्रोजेक्ट

विकसित करने की टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने अनुमति दी गई थी।

हालांकि परियोजना के नक्शे कभी स्वीकृत नहीं हुए और लाइसेंस की वैधता वर्ष 2006 में ही समाप्त हो गई थी। इसके बावजूद भूमि पर बिना वैधानिक स्वीकृति के विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियां

संचालित की जा रही थीं, जो हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

भूमि राजस्व बकाया की तरह वसूला जाएगा: विभाग ने इससे पहले संबंधित पक्षों को विस्तृत स्पीकिंग आर्डर जारी कर 15 दिनों के भीतर सभी अवैध निर्माण हटाने और भूमि को मूल स्थिति में बहाल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर विभाग स्वयं अवैध निर्माण हटाएगा और पूरा खर्च संबंधित पक्षों से भूमि राजस्व बकाया की तरह वसूला जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को कार्रवाई माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 14 मई को अवमानना याचिका (सिविल) राजदरबार आइकानिक वेंचर प्राइवेट लिमिटेड बनाम अनुलग रस्तोगी एवं अन्य मामले में पारित आदेशों की अनुपालना में की गई।

कार्रवाई करने के निर्देश

न्यायालय ने अपने आदेश में डीटीपीई गुरुग्राम को हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन आफ अर्बन एरियाज एक्ट, 1975 की धारा 3-बी और धारा 10 के तहत कानून के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं एटीपी नवीन बरुआ, एटीपी दिव्या देहिया, जूनियर इंजीनियर आकाश राव, राजन झा सहित विभाग की पूरी टीम मौके पर मौजूद रही। अभियान का सफल बनाने के लिए सेक्टर-29 थाना पुलिस का सहयोग भी लिया गया। यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुरूप की गई है। निजी पक्षों के बीच चल रही मध्यस्थता प्रक्रिया से अवैध निर्माणों को वैधता नहीं मिल सकती और न ही वैधानिक कार्रवाई को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में लाइसेंसी भूमि पर होने वाले अवैध निर्माणों और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ विभाग का अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

कांकेर में 26 गांवों की संयुक्त सभा में निर्णय, चर्च और प्रार्थना सभा प्रतिबंधित

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कांकेर जिले के पीढ़ापाल अनुसूचित क्षेत्र में मतांतरण के विरुद्ध 26 ग्राम सभाओं ने एकजुट होकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 14 जून को ग्राम मुरगांव में आयोजित पारंपरिक संयुक्त ग्राम सभा में सर्वसम्मति से ईसाई चर्च, प्रार्थना सभा और पादरियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही मतांतरित व्यक्तियों को अनुसूचित क्षेत्र में भूमि न देने और आरक्षण का लाभ ले रहे मतांतरितों की डी-लिस्टिंग का संकल्प भी लिया गया। कलेक्टर, एसडीएम और संबंधित विभागों को प्रस्ताव सौंपने की तैयारी है। यह संयुक्त ग्राम सभा कांकेर ब्लॉक के पीढ़ापाल क्षेत्र में हुई, जिसमें ग्राम सभा अध्यक्ष, सरपंच, पंच, गायता, पटेल, ठाकुर, भूमियार, मांडी, सिरहा, भगत, पेने पुजारी और सर्व समाज के प्रमुख शामिल हुए। अध्यक्षता ग्राम सभा अध्यक्ष मुरगांव ने की। ग्राम सभा में ईसाई चर्च और पादरियों के प्रवेश पर रोक, मतांतरित व्यक्तियों के जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने और शासकीय कर्मचारियों के मतांतरण की सूचना प्रशासन को देने का निर्णय लिया गया। ग्राम सभा ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में सेवा और स्वास्थ्य के नाम पर अवैध मतांतरण कराया जा रहा है, जिससे हमारी आस्था पर हमला हो रहा है। इससे समाज में हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं। जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मतांतरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

भीषण गर्मी से बेहाल बंगाल, 48 घंटे में बारिश के आसार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भीषण गर्मी और उमस का दौर लगातार जारी है, मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को राजधानी कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अधिकांश हिस्सों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और तेज धूप निकलने के कारण लोगों को गर्मी का अधिक सामना करना पड़ेगा। अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा में नमी का स्तर अधिक होने के कारण वास्तविक तापमान से कहीं अधिक गर्मी महसूस हो रही है। अलीपुर स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने दोपहर के समय लोगों को विशेष सावधानी बताने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने नए मौसमी दबाव के कारण अगले दो से तीन दिनों के भीतर राज्य के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके प्रभाव से कई क्षेत्रों में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। कुछ इलाकों के लिए सतर्कता अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बदलाव के बाद तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जाएगी और पिछले कई दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी। उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के मौसम में फिलहाल अंतर देखा जा रहा है। उत्तर बंगाल के कूचबिहार सहित आसपास के क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए हुए हैं। यहां आर्द्रता का स्तर 96 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसके चलते शाम या रात के समय गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं दक्षिण बंगाल के जिलों में दिनभर मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। हालांकि स्थानीय स्तर पर गरज वाले बादल बनने से कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। वरिष्ठ मौसम विशेषज्ञों के अनुसार सप्ताह के अंत तक मॉनसून की सक्रियता और बंगाल की खाड़ी में बने दबाव का संयुक्त प्रभाव पूरे राज्य में दिखाई देगा। इसके चलते पश्चिम बंगाल के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बारिश शुरू होने की संभावना है।

हिमाचल में 22 जून तक आंधी-बारिश का अलर्ट, तीन दिन ओलावृष्टि की चेतावनी



शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अगले छह दिनों तक बदला-बदला रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 22 जून तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं 17 से 19 जून तक कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे सेब, आड़ू, प्लम, खुबानी जैसे गुठलीदार फलों और मौसमी सब्जियों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। प्रदेश में पहले भी कई बार ओलावृष्टि से बागवानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। बुधवार सुबह शिमला में मौसम मिला-जुला रहा। शहर के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहे तो बीच-बीच में धूप भी निकलती रही। प्रदेश के अन्य इलाकों में भी कहीं बादल तो कहीं धूप का दौर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार आज अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, गरज और बिजली गिरे की संभावना है। 18 व 19 जून को भी यही स्थिति बनी रहेगी और कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 20, 21 और 22 जून को गरज-चमक और तेज हवाओं का येला अलर्ट जारी रहेगा। 23 जून को मौसम अपेक्षाकृत शांत रहने का अनुमान है। बोते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 60.1 मिलीमीटर वर्षा कटौला में हुई। इसके अलावा मंडी में 37.2 मिमी, जोगिंद्रनगर में 16.0 मिमी, पंडोह में 15.8 मिमी, बगी में 12.0 मिमी, भुंतर में 8.6 मिमी, रामपुर में 3.3 मिमी, कुफरी में 3.0 मिमी, जौत और गोहर में 2-2 मिमी, सियोबाग में 1.8 मिमी तथा शिमला में 1.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। शिमला, जुब्बड़हट्टी, कांगड़ा, भुंतर, सुंदरनगर और कुफरी में गरज-चमक की गतिविधियां भी रिकॉर्ड की गईं। नेरी में 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली। न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम 6.8 डिग्री सेल्सियस कुकुमसेरी में दर्ज किया गया। इसके बाद कल्या 10.0, केलांग 10.1, ताबो 10.9, मनाली 12.5, कुफरी 12.9, सियोबाग 14.5, शिमला 16.2, धर्मशाला 16.7, सोलन 17.6, भुंतर 17.8, सराहन 18.3, नाहन 18.3, पालमपुर 18.5, जुब्बड़हट्टी 18.6, सुंदरनगर 19.0, ऊना 19.0, चंबा 19.0, मंडी 19.5, बरटी 20.2, कांगड़ा 21.6, बिलासपुर 22.0, नेरी 22.1, देहरा गोपीपुर 25.0 और पांवटा साहिब 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा लगातार आगे बढ़ रही है। अनुकूल परिस्थितियां बनी रहें तो मानसून 25 जून के आसपास हिमाचल प्रदेश में दस्तक दे सकता है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों लोगों को मिलेगी जाम से राहत, दीपावली तक शुरू होगा चार मूर्ति अंडरपास



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में निर्माणाधीन चार मूर्ति अंडरपास का विधायक तेजपाल नागर ने मंगलवार को निरीक्षण किया। विधायक ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जायजा लेने के साथ इसे जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिया, ताकि वाहन चालकों को जाम से निजात मिल सके और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लोगों को समस्या से राहत मिल सके।

90 करोड़ की लागत से बन रहा अंडरपास: विधायक ने कहा कि लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला अंडरपास ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों निवासियों के लिए बड़ी सौगात है। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में अंडरपास अहम भूमिका निभाएगा। इसे दीपावली तक जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

ट्रंप पर हमले की एक और साजिश नाकाम: यूएफसी कार्यक्रम पर हमले की थी योजना, एफबीआई ने कई संदिग्धों को किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने दावा किया है कि उसने व्हाइट हाउस में आयोजित एक बड़े अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) कार्यक्रम पर संभावित हमले की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह यूएफसी कार्यक्रम पिछले रविवार को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित किया गया था, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनके कैबिनेट सहयोगी और विशेष अतिथि शामिल हुए थे। कार्यक्रम को देखने के लिए व्हाइट हाउस के पास बड़ी संख्या में लोग भी जुटे थे।

एफबीआई को पहले ही मिल गई थी जानकारी: एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 10 जून को एजेंसी और उसके सहयोगी कानून



प्रवर्तन संगठनों को इस कार्यक्रम पर संभावित खतरे की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि एफबीआई, न्याय विभाग और अन्य एजेंसियों ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर संदिग्धों को गिरफ्तार किया और कथित हमले को योजना को पूरी तरह विफल कर दिया।

ड्रोन और स्नाइपर हमले की थी कथित

योजना: अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिशकर्ताओं ने विस्फोटकों से लैस ड्रोन के जरिए कार्यक्रम स्थल के आसपास की इमारतों को नशाना बनाने की योजना बनाई थी। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उद्देश्य पहले बड़े पैमाने पर अफरा-तफरी और लोगों की निकासी कराना था। इसके बाद भीड़ को एक तय दिशा में मोड़कर वहां पहले से तैनात स्नाइपर टीम द्वारा हमला करने की योजना थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि इसके बाद एक दूसरी लहर के तहत कुछ लोग व्हाइट हाउस के मुख्य गेट की ओर बढ़ने वाले थे।

एफबीआई ने पांच लोगों हिरासत में लिया: अमेरिकी न्यूज चैनल के अनुसार, इस मामले में कम से कम पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि जांच में कुल 23 लोगों के नेटवर्क की पहचान की गई है।

यूक्रेन को हथियार आपूर्ति से यूएस-ईरान डील के स्वागत तक

एवियन, एजेंसी। दुनिया की विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह जी7 के नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का समर्थन किया है। इन नेताओं ने यूक्रेन को लेकर भी अपना समर्थन दोहराया है। फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुए 52वें जी7 शिखर सम्मेलन में इन नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए अधिक सहयोग करने की बात कही।

यूक्रेन के समर्थन में क्या कहा: भू-राजनीतिक मुद्दों पर जी7 बयान में जी7 देशों ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए उसका पूरा समर्थन करते हैं। नेताओं ने घोषणा की कि यूक्रेन को वायु रक्षा प्रणाली, इंटरसेप्टर और लंबी दूरी तक मार करने की क्षमताओं की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। साथ ही यह भी विचार किया जाएगा कि लाइसेंस देकर यूक्रेन में ही सैन्य उत्पादन को कैसे बढ़ाया जाए।



घोषणा में यह भी कहा गया कि सर्दियों से पहले यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त मदद दी जाएगी। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के लिए कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिनमें तेल और गैस क्षेत्र को भी शामिल किया जाएगा। यह बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। रूस के प्रवक्ता दिमित्री

पेस्कोव ने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की जिम्मेदार और गंभीर बातचीत के लिए तैयार हों, तो वह मास्को आ सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संवाद का आधिकारिक माध्यम नहीं है।

जेलेंस्की ने बैठक के नतीजों पर क्या कहा: उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने जी7 की बैठक के नतीजों का

स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि बातचीत में वायु रक्षा मिसाइलें, सर्दियों के लिए मदद और रूस पर दबाव बढ़ाने पर चर्चा हुई।

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते का समर्थन किया: जी7 नेताओं ने पश्चिम एशिया से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान दिया और अमेरिका व ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। बयान में कहा गया कि यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुआ है। यह ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने और उसके क्षेत्रीय तथा मिसाइल संबंधी मुद्दों को हल करने का मौका देता है। नेताओं ने इस समझौते को लागू करने में मदद की इच्छा जताई और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) सहित अन्य पक्षों के साथ व्यापक कूटनीतिक बातचीत का समर्थन किया।

होर्मुज से बाधारहित आवाजाही की अपील: उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से बिना बाधा के आवाजाही का समर्थन किया और फ्रांस व ब्रिटेन के नेतृत्व में एक बहुराष्ट्रीय पहल का भी समर्थन किया, ताकि इस अहम समुद्री मार्ग में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हिजबुल्ला और गाजा पर क्या कहा

जी7 ने लेबनान में तुरंत और स्थायी युद्धविराम का समर्थन किया और चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के निरस्त्रीकरण के प्रयासों को भी समर्थन दिया। गाजा को लेकर उन्होंने मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण तेज करने की बात कही और वेस्ट बैंक में हिंसा खत्म करने की अपील की।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उत्तर कोरिया

के परमाणु कार्यक्रमों पर

क्या कहा गया

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जी7 ने कहा कि वे एक स्वतंत्र और खुला क्षेत्र चाहते हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन हो और पूर्वी व दक्षिण चीन सागर तथा ताइवान जलडमरूमध्य में ताकत के बल पर स्थिति बदलने की कोशिशों का विरोध किया जाए। बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर गहरी निंदा जताई गई। उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग की गई।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जी7 ने कहा कि वे एक स्वतंत्र और खुला क्षेत्र चाहते हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन हो और पूर्वी व दक्षिण चीन सागर तथा ताइवान जलडमरूमध्य में ताकत के बल पर स्थिति बदलने की कोशिशों का विरोध किया जाए। बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर गहरी निंदा जताई गई। उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग की गई।

लोक कल्याण मेले में पीएम स्वनिधि योजना और डिजिटल सशक्तिकरण पर जोर

पथ विक्रेताओं का पंजीयन, डिजिटल भुगतान की जानकारी और स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा मानस भवन में आयोजित लोक कल्याण मेले में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, डिजिटल वित्तीय साक्षरता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया मेले में नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने भाग लेकर

शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाओं से जुड़ने में रुचि दिखाई कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित इस मेले का उद्देश्य आमजन को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना तथा डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री

स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र पथ विक्रेताओं से ऋण आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन किया गया योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि यह योजना छोटे व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मेले में उपस्थित बैंक प्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को डिजिटल भुगतान प्रणाली के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी उन्होंने यूपीआई, क्यूआर कोड, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के लाभों को विस्तार से समझाया साथ ही क्रेडिट कार्ड के जिम्मेदार उपयोग, वित्तीय

अनुशासन और व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन में उसकी उपयोगिता पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गए उत्पाद स्टॉल रहे। महिलाओं ने अपने समूहों के माध्यम से तैयार किए गए विभिन्न घरेलू एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया आगंतुकों ने इन उत्पादों की सराहना की और कई उत्पादों की खरीदारी भी की। इस पहल से महिलाओं को अपने उत्पादों के विपणन का अवसर मिला तथा आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली हितग्राहियों से मेले में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

सामुदायिक संगठक दिलीप विश्वकर्मा एवं प्रमोद विश्वकर्मा, समस्त वार्ड प्रभारी तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर बताया गया कि 18 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से मानस भवन सीधी में पुनः लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जाएगा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के इच्छुक पात्र हितग्राही सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अपना पंजीयन एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे नगर पालिका परिषद ने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से मेले में शामिल होकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव का रीवा आगमन सहकारिता क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है अपने प्रवास कार्यक्रम के तहत उन्होंने रीवा एवं शहडोल संभाग के साथ ज़िले की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा की तथा जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर चर्चा की रीवा पहुंचने पर रेलवे स्टेशन पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया

इसके बाद वे भाजपा जिला कार्यालय अटल कुंज, डेक्कन पहुंचे जहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की समीक्षा बैठक के दौरान सहकारी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, किसानों एवं ग्रामीण हितग्राहियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर सांसद जनार्दन मिश्रा भी उपस्थित रहे उन्होंने सहकारिता क्षेत्र के विकास में अपेक्स बैंक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रभावी योजनाओं के क्रियान्वयन पर बल दिया। भाजपा कार्यालय अटल कुंज में प्रवास के दौरान महेंद्र सिंह यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया प्रदर्शनी में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों और देश की प्राप्ति से संबंधित जानकारीयों को प्रदर्शित किया गया था यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सरकार की उपलब्धियों की सरहना की और कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही सुशासन का उद्देश्य है।

मझौली में राजन रिसोर्ट से हटाया गया अतिक्रमण

शासकीय भूमि से बाउंड्री वॉल तोड़कर प्रशासन ने कराया कब्जा मुक्त, अवैध कब्जाधारियों में मचा हड़कंप



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली तहसील क्षेत्र के परसिली गांव में प्रशासन ने शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजन रिसोर्ट की बाउंड्री वॉल हटाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया यह कार्रवाई तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम द्वारा बुधवार को की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार

परसिली स्थित राजन रिसोर्ट के संचालक रामराज मिश्रा पर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री वॉल बनाकर कब्जा करने का आरोप था मामले की शिकायत मिलाने के बाद संबंधित हल्का पटवारी द्वारा स्थल निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन तहसील कार्यालय में प्रस्तुत किया गया जांच में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार सुनवाई की गई। सुनवाई प्रक्रिया पूर्ण होने के

पश्चात तहसीलदार द्वारा बेदखली का आदेश जारी किया गया आदेश के पालन में बुधवार को राजस्व विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और प्रशासनिक निगरानी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई टीम ने शासकीय भूमि पर निर्मित बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए जमीन को कब्जा मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में पूरे क्षेत्र का सीमांकन भी किया गया ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की स्थिति उत्पन्न न हो प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अन्य शासकीय भूमि पर किए गए कब्जों को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि परसिली क्षेत्र में कई अन्य रिसोर्ट एवं फार्म हाउस संचालकों द्वारा भी

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायतें लंबे समय से की जाती रही हैं ग्रामीणों ने प्रशासन से ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है मझौली तहसीलदार दिलीप सिंह ने बताया कि हल्का पटवारी के प्रतिवेदन और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर विश्वसनीय कार्रवाई की गई है उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा भविष्य में भी सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी प्रशासन की इस कार्रवाई को क्षेत्र में शासकीय रूप से चिह्नित रहा है। विशेष रूप से पट्टा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष

किसान-मजदूरों की समस्याओं को लेकर महासंघ की बैठक संपन्न

बिजली बिल, अघोषित कटौती और खाद्य वितरण व्यवस्था पर जताई चिंता, समस्याओं के समाधान की उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, सिरमौर (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई सिरमौर की मासिक बैठक बुधवार को जिला संयोजक रामायण प्रसाद मिश्रा के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के किसानों एवं मजदूरों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शासन-प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष बैजनाथ शुक्ला सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में किसानों और मजदूरों को अनेक मूलभूत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष

पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा मनमाने तरीके से बिजली बिल जारी किए जा रहे हैं जिससे किसानों और मजदूर वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है कई उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत से अधिक बिल मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं महासंघ के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती को भी गंभीर समस्या बताया। उनका कहना था कि बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसानों को सिंचाई कार्य प्रभावित होने से फसलों के नुकसान की आशंका बनी रहती है गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली गैल रहने से आमजन को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक

में विद्युत विभाग की रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए। पदाधिकारियों ने कहा कि कई स्थानों पर टूटे हुए विद्युत तार लंबे समय तक खुले पड़े रहते हैं लेकिन उनकी समय पर मरम्मत नहीं कराई जाती विभागीय कर्मचारियों द्वारा पर्याप्त निगरानी और देखरेख न किए जाने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है उन्होंने विभाग से नियमित निरीक्षण और त्वरित मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने की मांग की इसके अलावा खाद्य वितरण व्यवस्था को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

टीआई पर हमले के छह आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय ने भेजा जिला जेल, एक फरार आरोपी की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी आरोपियों को जिला जेल भेज दिया गया है वहीं मामले का एक आरोपी अभी भी फरार है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है पुलिस के अनुसार घटना 15 जून की है डायल-112 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पटपरा के मझारी टोला में कुछ लोगों ने चुरहट-पटपरा मुख्य मार्ग पर मिट्टी, पत्थर, लकड़ी तथा

काटदार झाड़ियां डालकर सड़क को अवरुद्ध कर दिया है सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंद्राज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मार्ग को सुचारु कराने के लिए लोगों को समझाने का प्रयास किया पुलिस का आरोप है कि समझाइश के दौरान कुछ लोगों ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली और पुलिस दल पर हमला कर दिया आरोपियों ने टांगी, फावड़ा, डंडों और अन्य हथियारों से पुलिसकर्मियों पर वार किए इस हमले में थाना प्रभारी इंद्राज सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए उनके सिर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं वहीं आरक्षक



शिवम पाण्डेय सहित अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल सीधी भेजा घटना के बाद पुलिस ने

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी जांच और कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दिनेश पटेल, विनय पटेल उर्फ पोंड, प्रीतम पटेल, संघ्या पटेल, श्यामा पटेल तथा सरोज पटेल को गिरफ्तार कर लिया बुधवार को सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पॉक्सो अधिनियम के संवेदनशील क्रियान्वयन और बाल संरक्षण पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने, उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी एवं संवेदनशील क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा जिला स्तरीय स्टेकहोल्डर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एडीआर भवन में आयोजित यह कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जागृति योजना-2025 के अंतर्गत संपन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य विषय

पॉक्सो अधिनियम का संवेदनशील क्रियान्वयन, बाल संरक्षण एवं सुरक्षित बचपन-सुरक्षित भविष्य रहा। कार्यक्रम में न्यायपालिका, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर बच्चों की



सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा एवं तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राकेश जामरा ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम केवल एक कानूनी व्यवस्था नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है उन्होंने

कहा कि नाबालिग बालक-बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने साइबर अपराधों से बच्चों को सुरक्षित रखने पीड़ित बच्चों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम

श्रेणी अर्पिता त्रिपाठी ने अपने संबोधन में पॉक्सो मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई उन्होंने कहा कि पीड़ित बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उनकी भावनाओं और मानसिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए बाल गवाहों के बयान दर्ज करते समय गोपनीयता बनाए रखना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे दोबारा मानसिक आघात का शिकार न हों उन्होंने समाज से अपील की कि पीड़ित बच्चों के प्रति सहानुभूति और सम्मान का भाव रखें तथा उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करें कार्यशाला के दौरान बाल संरक्षण, किशोर न्याय प्रणाली, साइबर सुरक्षा, लैंगिक अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों के पुनर्वास तथा विधिक सहायता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई विशेषज्ञों ने बच्चों के हित में कार्यरत विभिन्न

संस्थाओं और विभागों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य' का लक्ष्य तभी साकार होगा जब समाज, प्रशासन और न्यायिक संस्थाएं मिलकर बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सतत प्रयास करें। कार्यशाला में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश कुमार मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार कड़वे, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, महिला सुरक्षा शाखा के अधिकारी, अधिवक्ता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चिट्ठा को चुनौती:पंचायतें बन रही हैं बदलाव की वाहक

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के

अभियान ‘चिट्ठा-मुक्त गांव’ में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद

सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते

भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं

संपादकीय

संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण

दूसरी और उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकते हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी

अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी

समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं। इसके अलावा बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और काम को बेहतर ढंग से करने के लिये जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये जा सकते हैं। यह भी हकीकत है कि पेशेवर अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद के बिना गांवों की चुनी हुई संस्थाओं के द्वारा नशे की समस्या से पूरी तरह निपट पाना संभव नहीं है।

आईआईटी की दहलीज पर बेटियों की रिकॉर्ड दस्तक

प्रतिभा कुशवाहा

हाल ही में जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में लड़कियों की शानदार सफलता की जो खबरें आई हैं, उसने एस्टेडिएम (स्टेम) यानी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं के भविष्य की तस्वीर साफ होने लगी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आधी आबादी के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। देश में इंजीनियरिंग यानी आईआईटी में शिक्षा एक पुरुष प्रधान क्षेत्र बना हुआ है। हमारे घरों में जो बच्चियों की शिक्षा को लेकर मुखर हैं, वे भी अपने बेटों को इंजीनियर और बेटियों को डाक्टर बनाना पहली प्राथमिकता में रखते हैं। फिर भी यह सफलता हमारे घरों की बदलती सोच और आर्थिक व्यवस्था के कुछ सुरांग तो दे ही रहा है।

चार जून को प्रकाशित हुए अखबारों में प्रमुख रूप से इस खबर को प्रकाशित किया कि इस बार जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में पहली बार लगभग 10,000 लड़कियों ने पास की है। इस परीक्षा में कुल 56,880 अर्ध्वर्षी सफल हुए जिनमें से 10,107 सफल लड़कियां शामिल हैं। इन आंकड़ों में लगभग चार अर्धार्थियों में से एक अर्धार्थी लड़की है। यह ऐतिहासिक सफलता केवल परीक्षा परिणामों का आंकड़ा मात्र नहीं है, वरन हमारे समाज में शिक्षा, अवसर और लैंगिक समानता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। यह सफलता महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में एक 'पुश' के तौर पर देखा जा रहा है।

आज एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और नई तकनीकों ने पूरे समाज, संस्कृति और अर्थिकीय को अपने आगश में ले रखा है, इससे आधी आबादी का दूर रहना एक बहुत बड़े सामाजिक असंतुलन के रूप में सामने आ सकता है। ऐसे में जेईई एडवांस्ड-2026 के परिणाम भविष्य में देश की नई तस्वीर का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि अभी भी शीप रेको और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। मात्र इस तरह की और भी सफलताओं से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। महिलाओं के जीवन में इतने पड़ाव आते हैं कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्रों में पढ़ने-लिखने के बाद भी अपना योगदान देने से वे वंचित रह जाती हैं। आर्थिक तौर पर यह पड़ाव महंगी होती है, देश इन क्षेत्रों में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई तरह की आर्थिक सहायता भी देता है। अगर कार्यक्षेत्र तक महिलएं आगे नहीं आ सकेगी, तो नुकसान हमारे समाज और देश का ही ज्यादा होगा।

जनवरी, 2026 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जॉ. जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार देश में उच्च शिक्षा स्तर स्टेम विषयों में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 43 फीसदी है। इसी तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अनुसंधान और विकास सांख्यिकी रिपोर्ट-2023 के अनुसार देश में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में स्टेम पेशेवरों के रूप में कुल महिला कार्यबल की हिस्सेदारी 18.6 फीसदी है। इनमें से 45.8 फीसदी सरकारी संस्थानों में, 27.6 फीसदी उच्च शिक्षा क्षेत्र में और 26.5 फीसदी औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इन आंकड़ों से भी पता चल रहा है कि जितनी महिलाएं स्टेम विषयों को लेकर अपना करियर बनाने का पथ चुन रही हैं, उतनी महिलाओं कार्यक्षेत्र तक नहीं पहुंच पा रही हैं। यूनेस्को का अपनी रिपोर्ट में मानना है कि भारत में एस्पटीईएम ग्रेजुएट में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जबकि इन क्षेत्रों में उनकी नौकरियों में भागीदारी मात्र 14 फीसदी है। तो प्रश्न उठता है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पढ़ी हुई महिलाएं गुम कहाँ हो जाती हैं? क्या समाज और संस्कृति की गहरी जड़ें जमा चुकी परंपराएं और मान्यतागत भेदभाव कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में महिलाओं के रोजगार में बाधा बन जाते हैं। पारंपरिक जेंडर भूमिकाएं इस क्षेत्र में करियर बना रही महिलाओं को बहुत दूर तक हतोत्साहित करते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र महिलाओं से अधिक समय और प्रतिबद्धता की मांग करता है। कई परिवार चाहते हैं कि उनकी बहु और बेटी इस क्षेत्र में पढ़े तो, पर रिसर्च की जगह वह टीचिंग जैसा स्थिर और स्मूथ करियर ऑप्शन चुनें।

मनोज कुमार मिश्र

खास बात यह है कि इसी उम्र के बच्चे, जिनके लिए जेन जेड (जनरेशन जेड) यानी 1997 से 2012 के बीच पैदा होने वाले छात्र-युवाओं ने पड़ोस के तीन देशों की सरकारें बदल दी। वैसे उन देशों में भी बदलाव बहुत सार्थक होता नहीं दिख रहा है। भारत जैसे विशाल देश में इस तरह के आंदोलन की कल्पना कठिन है लेकिन इतना तय है कि मजबूत विपक्ष की गैरहाजिरी में देश के छात्र-युवा को ही सार्थक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। अगर एक वाक्य में कहें तो यही 1974 के बिहार आंदोलन का संदेश है।

इतना ही नहीं, इस आंदोलन के कई संदेश आज भी सामयिक हैं। यह आम धारणा है कि नवंबर 1973 में गुजरात के एक इंजीनियरिंग कालेज के छात्रावास की फीस बढ़ने के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ जो गुजरात की चिमन भाई पटेल सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन और मंहगाई के खिलाफ स्वतः स्फूर्त प्रदर्श भर का आंदोलन बन गया। जिसे गुजरात नव निर्माण आंदोलन कहा गया। हालांकि बिहार आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं के अगुवा रामबहादुर राय (वर्तमान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्मभूषण से सम्मानित) बताते हैं कि कहने के लिए बिहार आंदोलन गुजरात से प्रेरणा लेकर शुरू हुआ लेकिन वास्तव में बिहार आंदोलन की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने काफी समय बाद आंदोलन का नेतृत्व करना स्वीकारा, वास्तव में उसके काफी समय पहले से उनसे (रामबहादुर राय) और दूसरे छात्र नेता मिलकर आंदोलन की तैयारी की जानकारी देते रहे। राय साहब आंदोलन की 11 सदस्यों की संचालन समिति के सदस्य भी थे। गुजरात आंदोलन में भी सबसे बड़ी भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके छात्र संगठन-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ही थी। बिहार आंदोलन की भूमिका बनाने में भी संघ के बड़े नेताओं के साथ-साथ तब संघ के पटना महानगर प्रचारक रहे केएन गोविंदचार्य आदि का था। गोविंद जी बाद में परिषद और भाजपा में बड़े पदों पर रहे। उनकी और राय साहब की जोड़ी बिहार



आंदोलन का नेतृत्व करने वालों में अगली पंक्ति में थी।

उस आंदोलन में छात्र-युवाओं के समर्पण का गजब अनुभव हुआ। सभी को पता है कि जेपी ने बिहार आंदोलन की अगुवाई करना तभी स्वीकारा जब उन्हें विश्वास दिलाया गया कि आंदोलन पूरी तरह से अहिंसक होगा। इसका ऐसा असर हुआ कि जो छात्र पहले पुलिस को देखते ही हाथों में ईंट-पत्थर उठा लेते थे। वही छात्र पुलिस की लाठी-गोलियों के बीच नारे लगाते थे कि 'हमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा।' इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाने का फैसला एक दिन में नहीं किया। 1971 में पाकिस्तान को विभाजित करके स्वतंत्र बांग्लादेश बनवाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक कद देश में ही नहीं दुनिया में काफी बड़ा हो गया था। उनके फैसलों पर किसी को सवाल करने की हिम्मत न थी। आपातकाल लगने की मुख्य वजह तो उनके खिलाफ 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा का उनके 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित करने का फैसला माना जाता है लेकिन वास्तव में कई और कारण भी थे। वे अपने को किसी चुनौती से परे मानने लगी थीं। दूसरा कारण कांग्रेस की गुजरात की चिमन भाई मेहता की सरकार के खिलाफ छात्रों का नव निर्माण आंदोलन भी एक

प्रमुख कारण बना। उस आंदोलन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पूरे प्रदेश का आंदोलन बनाया। यही काम परिषद ने फरवरी-मार्च, 1974 में बिहार में किया।

26 जून, 1976 की तारीख को बार-बार याद करना इसलिए जरूरी है ताकि इस दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश पर शासन करने वाला निरंकुश न हो। फिर से कोई शासक अपने को तानाशाह न मान बैठे और गुलामी से मुक्ति की लंबी लड़ाई के बाद मिली आजादी को संविधान के मौलिक अधिकारों के साथ देश की जनता जीवन यापन कर पाए। तब के राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से 25 जून, 1975 की आधी रात को के देश में आपातकाल लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर करारक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जून, 1975 की सुबह खुद रेडियो पर आकर देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही देश की जनता को संविधान से मिले नागरिक अधिकारों को रद्द कर दिया गया। जयप्रकाश नारायण से लेकर विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अखबारों पर सेंसरशिप लगा दिया गया। 19 महीने देश जेलखाना बना रहा। लोगों के बोलने, लिखने आदि पर रोक लगा दी गई। अनुशासन के नाम पर लोगों को तरह-तरह से यातनाएं दी गईं। कानून की अपने हिसाब से व्याख्या करने की कोशिश की गई।

सार्वजनिक जीवन में विश्वास की पूंजी

विश्वास और भरोसा ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। सार्वजनिक जीवन में जन विश्वास गंवाने वाला व्यक्ति किसी योग्य नहीं रह जाता। हाल ही में भारतीय राजनीति में जन विश्वास से जुड़ी दो अहम घटनाएं हुई। पहली घटना में एक नेता ने जनविश्वास की पूंजी खो दिया। वहीं, दूसरी घटना में नेता ने जनविश्वास की पूंजी को सहेजा ही नहीं बल्कि हर बीतते दिन के साथ उसमें वृद्धि भी की।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहली घटना 4 मई की है। इस दिन जन विश्वास खो चुकी तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल और ममता से नाराजगी का आलम यह था कि स्वयं ममता बनर्जी अपनी सीट हार गईं। आज ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की जो दुर्दशा हो रही है, उसकी जिम्मेदार कोई दूसरा नहीं बल्कि वह स्वयं हैं।

तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद अपना अलग गुट बना चुके हैं। स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है, जब किसी राजनीतिक दल का इतनी तेजी से विघटन हुआ हो। या किसी नेता की तथाकथित सख्त चुनाव हारने के चंद दिनों में ही औंधे मुंह गिरी हो। सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी को मंदिर जाने की याद आई। कालीबाड़ी दर्शन करने पहुंची ममता बनर्जी को लोगों ने पूरी तरह अनदेखा किया। डेढ़ दशक तक सूबे का मुख्यमंत्री रहने वाले नेता की जनता इस हद तक उपेक्षा करे तो यह सिर्फ चुनावी हार नहीं, जनविश्वास के टूटने का संकेत होता है।

तृणमूल कांग्रेस के कुशासन से आजिज जनता आज उसके नेताओं का अंडे, टमाटर, जूते और मार कुटाई से सत्कार कर रही है।

तृणमूल के नेताओं को देखकर लोग नारेबाजी कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि ये वो लोग हैं जो पिछले 15 वर्षों से तृणमूल नेताओं की तानाशाही, गुण्डागर्दी और अत्याचार चुपचाप सह रहे थे। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता का व्यवहार उनके स्वाभाविक क्रोध, कुंठा, निराशा और हताशा का परिणाम है।

ममता सरकार के डेढ़ दशक के शासन के दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बुध्ों पर तोड़फोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल में आम बातें हो चुकीं थीं। भाजपा के दवों को मानें तो साल 2021 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हुई हिंसा में टीएमसी समर्थकों ने 300 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की थी। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कानून व व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा था कि राज्य में लोकतंत्र सांस नहीं ले पा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रशासन मुकूंददर्शक बने हुए हैं।

दूसरी घटना 10 जून को हुई। इस दिन नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 4,399 दिन पूरे किए, जो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे किए गए 4,398 दिनों के कार्यकाल से ज्यादा है। इस तरह जनविश्वास,

सुशासन और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के अटूट विश्वास की जीत है।

साल 2014 में देश ने उत्साह और अटूट विश्वास के साथ नरेंद्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री चुना था लेकिन उन्होंने स्वयं को हमेशा एक प्रधानसेवक माना। इसी रूप में वे अपना राष्ट्रधर्म निभाते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प के साथ उन्होंने समाज के हर वर्ग का विश्वास जीता है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एहसास कराया है। विपक्ष के लगातार मिथ्या प्रचार, व्यक्तिगत हमलों, यहां तक कि अपशब्दों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी अहर्निश जनसेवा में जुटे हैं। देश की जनता उन पर भरोसा करती हैं, जनता को विश्वास है मोदी के रहते उनका अहित नहीं होगा। इसलिए वो लगातार तीसरी बार उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सहर्ष सौंपी।

जब विश्वास टूटता है तो बड़े-से-बड़े नेता और व्यक्ति अर्श से फर्श पर आ जाता है। भारतीय राजनीति में इंदिरा गांधी का बड़ा कद

था लेकिन अपनी सत्ता बचाने के लिए 1975 को इमरजेंसी लगाने के बाद जनता का विश्वास इंदिरा गांधी से टूट गया। 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस को ऐतिहासिक हार का मुंह देखना पड़ा। इंदिरा का घमण्ड चूर-चूर हो गया और देश में आजादी के बाद पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, उड़ीसा में बीजू जनता दल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी तमाम ऐसे उदाहरण ऐसे हैं, जब जनता ने इन दलों पर विश्वास करके सत्ता के सिंहासन पर बैठाया। लेकिन जब ये नेता विश्वास और उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे तो जनता ने इन्हें इनको असमान से जमीन पर पटकने में देती नहीं की। तमिलनाडु में विश्वास ही तो खत्म हुआ, तभी तो वहां की जनता ने सत्तारूढ़ डीएमके को हटाकर अभिनेता चंद्रशेखरन जोसेफ विजय की नयी नवेली पार्टी टीवीके को सत्ता की कुंजी सौंप दी।

वहीं, कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहां विश्वास के चलते जनता ने बार-बार जीत का आशीष दिया। गुजरात में बीते 31 और मध्य प्रदेश 21 साल से भाजपा की सरकार है। इतने लंबे समय तक विश्वास और सेवा किये बिना कोई नेता या दल सत्ता या लोगों के दिलों में नहीं रह सकता। किसी जमाने में हरियाणा में भाजपा कोई बड़ी शक्ति नहीं थी। बामुश्किल उसके दो या तीन विधायक जीते

थे। लेकिन विश्वास और जनसेवा की बवौलत ही पिछले 12 वर्षों से हरियाणा में भाजपा की सरकार है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मिथक था कि यहां कोई सरकार दोबारा रिपीट नहीं होती। साल 2017 में भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कुतिल एवं व्यक्तित्व से सरकार और शासन के प्रति जनता के विश्वास को लगातार बढ़ाने का काम किया। नतीजा, उत्तर प्रदेश की राजनीति में 37 साल पुराना यह मिथक साल 2022 के विधानसभा चुनाव में टूट गया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। उत्तराखण्ड में भाजपा सरकार पिछले नौ साल से लगातार जनसेवा में जुटी है। जीवन की सबसे बड़ी पूंजी पद नहीं बल्कि विश्वास होता है। यह विश्वास किसी नेता, राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है। यह विश्वास बना रहना चाहिए। जिस दिन यह विश्वास टूटता है, उस दिन नतीजे वैसे ही होते हैं, जैसे 4 मई को पश्चिम बंगाल में ईवीएम से निकले। हारने वाला कुंठा, निराशा और हताशा में भले इसे वोट की लूट बताता रहे लेकिन ये वोट की नहीं बल्कि दिल की लूट होती है। इसलिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में विश्वास को बनाएं रखें।

जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक होंगे योग दिवस के आयोजन

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों को दिए व्यापक तैयारियों के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जिले में व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम की उपस्थिति में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में योग दिवस के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपते हुए समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरे विश्व को स्वस्थ और संतुलित जीवन का संदेश दे रही है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक औपचारिक



कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी योग दिवस का आयोजन किया जाए, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में कार्यक्रम स्थलों की तैयारियों, बैठक व्यवस्था, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, स्वच्छता, सुरक्षा, प्रचार-प्रसार,

प्रतिभागियों की सहभागिता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफल एवं यादगार बनाने के निर्देश दिए उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों स्वयंसेवी संस्थाओं सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही जिले वासियों से अपील की कि वे अधिक से



अधिक संख्या में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर स्वस्थ जीवन के इस महाअभियान का हिस्सा बनें। कलेक्टर ने प्रतिभागियों एवं कर्मचारियों से टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर योग सत्र का लिंक प्राप्त करने तथा योग सत्र में प्रतिभागी के रूप में पंजीयन कराने का आग्रह किया गया साथ ही अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इस अभियान से जोड़ने और अधिकाधिक पंजीयन सुनिश्चित

कराने के निर्देश दिए गए बैठक में आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अंकिता मरकाम, आयुष विभाग निशांत अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव, खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आकाश पोद्दार समाज कल्याण विभाग की अंजना बेक डीपीएम शिशिर जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। जलेभर में आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रमों में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम और ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को नियमित योग अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एमसीबी जिले में होगा भव्य आयोजन भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह होंगी मुख्य अतिथि, “स्वस्थ आयु के लिए योग” का देंगी संदेश



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला मुख्यालय मेंमंद्राढ़ में जिला स्तरीय भव्य योग कार्यक्रम आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल मेंमंद्राढ़ में किया जाएगा। योग, स्वास्थ्य और जनभागीदारी के इस विशेष आयोजन में भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी वे सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता करते हुए उपस्थित नागरिकों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का

संदेश देंगी इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ‘स्वस्थ आयु के लिए योग’ रखी गई है। इसी भावना के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा उनके दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है विधायक रेणुका सिंह ने जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य उपहार है जिसने आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य शक्ति और संतुलित जीवन का मार्ग प्रशस्त किया है योग केवल

शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ तन शान्त मन और सकरात्मक जीवन दृष्टि का आधार है वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता में भी वृद्धि करता है योग को जीवन का हिस्सा बनाकर हम स्वस्थ परिवार सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। आयोजन स्थल पर पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा,

स्वच्छता, सुरक्षा, बैठक व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों अधिकारियों-कर्मचारियों विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग को जन-जन तक पहुंचाने के इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन एमसीबी जिले में स्वास्थ्य जागरूकता सामुदायिक सहभागिता और सकरात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा तथा “स्वस्थ आयु के लिए योग” के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा।

समय पर मिला खाद-बीज, किसान संजय यादव के सपनों को मिली नई उड़ान

सहकारी समिति बनी किसानों की ताकत, खेती हुई आसान और उत्पादन की बढ़ी उम्मीद



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि लाखों किसानों के सपनों और मेहनत का आधार है जब किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं तो उनकी मेहनत को नई दिशा और विश्वास मिलता है मनेंद्राढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनकपुर क्षेत्र के किसान संजय कुमार यादव की कहानी इसी विश्वास और सकरात्मक बदलाव की मिसाल है ग्राम खिर्की निवासी संजय कुमार यादव इस

खरीफ सीजन में लगभग 1.80 हेक्टेयर भूमि पर धान की खेती की तैयारी कर रहे हैं हर वर्ष की तरह इस बार भी उनकी सबसे बड़ी चिंता समय पर खाद और बीज की उपलब्धता को लेकर थी लेकिन शासन की किसान हितैषी पहल और सहकारी समिति की सक्रिय व्यवस्था ने उनकी यह चिंता दूर कर दी जनकपुर शाखा की आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के माध्यम से संजय यादव को उन्नत किस्म के धान बीज, डीएपी, नैनो डीएपी तथा यूरिया समय पर और सज्जता से उपलब्ध कराया गया कृषि आदाओं की समय पर उपलब्धता ने उन्हें खेती की तैयारियां बिना किसी व्यवधान के शुरू करने का अवसर दिया। अब वे बेहतर उत्पादन और अच्छी आय की उम्मीद के साथ अपने

खेतों में कार्य कर रहे हैं संजय कुमार यादव बताते हैं कि पहले खेती के मौसम में खाद और बीज की व्यवस्था के लिए कई जगहों पर जाना पड़ता था। इससे समय की बर्बादी होने के साथ अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ता था कई बार आवश्यक सामग्री समय पर नहीं मिलने से खेती का कार्य प्रभावित होता था लेकिन अब सहकारी समिति के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध हो जाने से किसानों को बड़ी राहत मिली है वे कहते हैं कि समय पर खाद और बीज मिलना किसानों के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है। इससे खेती की लागत निर्धारित रहती है, फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है और उत्पादन बढ़ने में मदद मिलती है।

संवेदनशील पुलिसिंग

का सशक्त उदाहरण— प्रदेशभर में गुम एवं अपहृत बच्चों की त्वरित दस्तयाबी

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी संवेदनशील मानवीय और त्वरित कार्रवाई से यह सिद्ध किया है कि वह केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बच्चों की सुरक्षा की भी सशक्त संरक्षक है प्रदेशभर में चलाए गए विशेष अभियान के तहत विगत दो दिनों में विभिन्न जिलों से गुम एवं अपहृत बच्चों की सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया गया, जिससे अनेक परिवारों में खुशी और राहत का माहौल बन गया रीवा जिले में पुलिस ने छह नाबालिगों को सुरक्षित खोजकर परिजनों को सौंपा। वहीं खरगोन के सनावद क्षेत्र में 11 वर्षीय बालक को तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर खेड़ी घाट से सकुशल बरामद किया गया। धार जिले के पीथमपुर क्षेत्र में घर से भटकी तीन बालिकाओं को पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाकर सुरक्षित वापस लाया गुना जिले में मात्र छह घंटे के भीतर 14 वर्षीय बालक को दस्तयाब कर परिजनों से मिलाया गया भोपाल के शाहजहाँनाबाद क्षेत्र में लापता हुई 15 वर्षीय बालिका को रेलवे स्टेशन से सुरक्षित बरामद किया गया, जबकि मुरैना में सिविल लाइन पुलिस ने मात्र छह घंटे में गुम बालिका को खोज निकाला। देवास में ‘ऑपरेशन मुक्का’ के तहत दो अपहृत बालिकाओं को सीहोर और धार जिलों से सकुशल दस्तयाब किया गया।

गुना के डायल-112 हीरोज—सड़क दुर्घटना में घायल महिला को त्वरित सहायता देकर अस्पताल पहुंचाया, समय पर उपचार से बची जान

मीडिया ऑडिटर, भोपाल, (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा ने एक बार फिर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए गुना जिले के थाना विजयपुर क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जीवनरक्षक भूमिका निभाई 16 जून को गृह्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि लाहौरी ऑटो पार्क के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है जिसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल है और तत्काल सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही विजयपुर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112



एफआरव्ही वाहन तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुंचकर डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र सिंह एवं पायलट रम लखन मीणा ने पाया कि ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दोनों जवानों ने बिना समय गंवाए प्राथमिक सहायता प्रदान की और घायल महिला को सुरक्षित एफआरव्ही वाहन में बैठाकर

शासकीय चिकित्सालय, सांडा पहुंचाया डायल-112 टीम की तत्परता के कारण घायल महिला को समय पर चिकित्सकीय उपचार मिल सका, जिससे उसकी स्थिति को स्थिर करने में मदद मिली। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की सराहना की यह घटना डायल-112 हीरोज श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है जो दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस आपात स्थितियों में न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि जनसुरक्षा और जीवन रक्षा के प्रति भी पूर्ण रूप से समर्पित है। डायल-112 सेवा प्रदेश में हर समय नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर और सक्रिय भूमिका निभा रही है।

बुधनी व्यापारी से चेन लूट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार शौक पूरे करने के लिए वारदात, 200 CCTV खंगालने के बाद पुलिस पहुंची आरोपियों तक

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम पुलिस ने बुधनी के एक व्यापारी से सोने की चेन लूटने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने 12 जून की रात परमश्री गार्डन के पास वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी टिगरिया और खरखेड़ी गांव के रहने वाले हैं तथा इनमें दो सगे भाई और एक चचेरा भाई शामिल है। लूट में शामिल आरोपियों ने शौक पूरे करने के लिए वारदात को अंजाम दिया था बुधवार को एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों में



हरिओम गोस्वामी, ओमप्रकाश गोस्वामी, ऋतिक गोस्वामी और सुदीप गौर शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि 12 जून की रात करीब 1.15 बजे फरियादी नारायण सिंह उर्फ राहुल सिंह राजपूत अपने साथी शैलेन्द्र

परिहार और उनकी पत्नी के साथ नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन से बाइक पर बुधनी जा रहे थे। बुधनी रोड स्थित परमश्री गार्डन के पास एक कार उनका पीछा कर रही थी यश ढाबे के आगे कार सवार आरोपियों ने बाइक के सामने कार लगाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद

एक वर्ष बाद भी नहीं मिला सोनिया बंसल और शिवानी केवट का सुराग

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में लंबे समय से लापता दो महिलाओं की तलाश में पुलिस लगातार प्रयासरत है। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद दोनों महिलाओं का कोई पता नहीं चल पाने पर पुलिस ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का अनुरोध किया है पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी जिला इश्तहार के अनुसार थाना झगरखोड क्षेत्र से लापता 75 वर्षीय सोनिया बंसल का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है प्राप्त जानकारी के अनुसार वे 16 जून 2025 को खोंगापानी क्षेत्र में आंख की दवा लेने जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटीं परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, किन्तु उनका कोई पता नहीं

चल सका। इसी प्रकार पाराडोल निवासी 19 वर्षीय कु. शिवानी केवट 06 अक्टूबर 2025 को मनेंद्रगढ़ जाने के लिए घर से निकली थीं। निर्धारित समय पर घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों तथा संबंधित स्थानों पर तलाश की, लेकिन उनका भी कोई सुराग नहीं मिल पाया मामले में गुप्तदुर्ग दर्ज कर पुलिस लगातार खोजबीन कर रही है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों मामलों में गुप्तदुर्ग की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विभिन्न स्तरों पर तलाश जारी है जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा उपलब्ध सभी माध्यमों से जानकारी एकत्र करने के प्रयास किए जा रहे हैं पुलिस का मानना है कि आम नागरिकों के सहयोग से इन मामलों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है।

वन मंडल व सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 5 रेंजर और 14 वनरक्षकों के तबादले, एसटीआर को मिले नए रेंजर

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम सामान्य वन मंडल और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है इस तबादला सूची में कुल 5 रेंजरों के साथ-साथ 14 वनरक्षकों का स्थानांतरण किया गया है इसके साथ ही एसटीआर को चार नए रेंजर भी मिले हैं, जिससे वन प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव देखा जा रहा है तबादला आदेश के अनुसार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पचमढ़ी चूरना और बोरी रेंज सहित सामान्य वन मंडल के बानापुरा सुखतवा और सोहागपुर रेंज में पदस्थ रेंजरों का स्थानांतरण किया गया है एसटीआर में नए रेंजरों की पदस्थापना के तहत पेंच टाइगर रिजर्व से रेंजर बलवंत सिंह केशवाल, एम.एस. मरावी,



भूपेश चौरसिया तथा कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला से रेंजर अभय सिंह तोमर को सतपुड़ा

टाइगर रिजर्व में पदस्थ किया गया है। वहीं एसटीआर से रेंजर उमेश मारू को रातापानी टाइगर

रिजर्व भेजा गया है इसके अलावा विजय कुमार बारस्कर को सामान्य वन परिक्षेत्र रहटागांव

(हरदा) तथा आर.पी. पाठक को रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (सागर) स्थानांतरित किया गया है सामान्य वन मंडल सुखतवा के रेंजर नीरज शर्मा का तबादला रायसेन किया गया है, जबकि उनकी जगह छिंदवाड़ा से रेंजर सुनीता उडके को सुखतवा की जिम्मेदारी दी गई है बानापुरा रेंज में भी बदलाव करते हुए ज्ञान सिंह पवार का तबादला हरदा किया गया है, वहीं रायसेन बरखेड़ा रेंज के मयंक पांडे को बानापुरा रेंजर बनाया गया है सोहागपुर रेंजर सुमित पांडे को बनखेड़ी वन परिक्षेत्र भेजा गया है जबकि हरदा उत्पादन रेंज के हेमंत शर्मा को सोहागपुर रेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसी क्रम में जिले में एसटीआर और सामान्य वन मंडल के 14 वनरक्षकों के भी तबादले किए

गए हैं इनमें कई विवाद और शिकायतों में घिरे वनरक्षक भी शामिल हैं वनरक्षक रामकिशोर राय का तबादला एसटीआर तवा बफर से बागड़ा बफर किया गया है बताया गया है कि डेढ़ वर्ष पूर्व अनुभूति कार्यक्रम के दौरान बागड़ा बफर में पदस्थ रहते हुए उन पर सागौन लकड़ी के अवैध परिवहन से जुड़े आरोप लगे थे जिसके बाद उन्हें निलंबित भी किया गया था। बाद में उन्हें तवा बफर रेंज में पदस्थ किया गया और अब पुनः स्थानांतरण कर मढ़ई रेंज सुआरिया खापा बोट में भेजा गया है वन विभाग के इस बड़े पैमाने पर हुए तबादलों को प्रशासनिक कसावट और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नर्मदापुरम में 10 फीट के घायल सांप का ऑपरेशन आधे घंटे सर्जरी कर बचाई जान



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के पशु चिकित्सालय में घायल सांप का ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई गई। करीब आधे चले ऑपरेशन में सांप को 20 टांके आए। मंगलवार को सांगाखेड़ा कला में 10 फीट का लंबा रेड स्नेक कंटीले तारों की फेंसिंग में फंसकर बुरी तरीके से घायल हो गया था। जिससे सांप के पेट, पीठ की चमड़ी फट गई थी। कंटीले तार उसके शरीर में गल गए थे। अधिक खून निकलने के कारण सांप तड़प रहा था, ग्रामीणों ने सांप को बचाने के लिए सर्प मित्र सागर यादव को फोन किया। सर्प मित्र की टीम ने सांप को तारों से बाहर निकाला। इसकी बात उसे लेकर पशु चिकित्सालय पहुंचे। वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर अरविंद गुप्ता ने सांप का उपचार किया। दर्द के कारण सांप आक्रामक हो गया था। चिकित्सा गुप्ता ने सांप के शरीर में जिस जगह की स्किन फटी हुई थी, उसे जगह पर एनेस्थीसिया का इंजेक्शन देकर शून्य कर दिया था। इसके बाद टीम की मदद से मशकत के बाद सांप को 20 टांके लगाकर फटी चमड़ी को बंद किया गया। दर्द कम करने के दो एंटीबायोटिक के इंजेक्शन लगाए गए। घायल सांप को सिर्फ मित्र को सौंप दिया गया।

दो दिन बाद स्वास्थ्य परीक्षण होगा: पशु चिकित्सक के वरिष्ठ सर्जन डॉ. अरविंद गुप्ता ने बताया सांप के शरीर की चमड़ी और मशल्लस फट गई थी, टांके लगाकर उसे बंद किया गया। 2 दिन के बाद उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

सीहोर में ट्रैक्टर चलाने के विवाद में युवक घायल दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा, पैर में आया फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में ट्रैक्टर चलाने की बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लाठी-डंडों से युवक पर हमला कर दिया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया है। घायल अवस्था में पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित युवक के अनुसार, विवाद की शुरुआत ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुई थी। इसी बात पर विजय सिंह ने अपने पिता और बेटों के साथ मिलकर उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। देखते ही देखते आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसे बुरी तरह पीटा और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किए बयान, मामले की जांच शुरू: हमले में घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। लाठी-डंडों की इस मारपीट के कारण उसके पैर में गंभीर चोटें आई हैं और फ्रैक्चर होने की वजह से पट्टियां बांधी गई हैं। अस्पताल में पुलिस ने पीड़ित के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिसमें उसने विजय सिंह और उसके बेटों पर मारपीट का स्पष्ट आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।



नशामुक्त भारत अभियान के तहत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग और वाल्मी संस्था द्वारा संचालित 'नशामुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत सभाकक्ष, खंडवा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक नशामुक्त भारत का प्रभावी संदेश पहुंचाना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भोपाल के राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डॉ मनोज अग्रवाल ने कहा कि अधिकांश युवा गलत संगत के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं और अक्सर नशे की शुरुआत किसी मित्र के माध्यम से ही होती है। इसलिए किशोर एवं युवावस्था में विशेष सतर्कता और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में हे तो हमारा यह कर्तव्य है कि उसे हम नशे से बाहर निकालें। नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। ऐसे परिवारों को बचाने के लिए समाज में निरंतर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है, जिसमें मास्टर वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में प्रजापिता ईश्वरीय ब्रम्हाकुमारीज विश्व विद्यालय शाखा खंडवा की बी के शक्ति दीदी के नेतृत्व में नशा मुक्ति संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन सुशीला दीदी, सुनील तीर्थक एवं अन्य के द्वारा किया गया। सहायक संचालक सामाजिक न्याय श्री नीरज पाराशर ने नशे के विभिन्न प्रकारों तथा उनके शरीर एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रेमप्रित कौर ने बताया कि यदि आपके आसपास कहीं नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार संचालित हो रहा हो, तो उसकी सूचना 1933 टोल फ्री हेल्पलाइन अथवा 'मानस' पोर्टल के माध्यम से दी जा सकती है। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के अधिकारी, कर्मचारी, महिला बाल विकास विभाग से आगनवाड़ी कार्यकर्ता, नगरपालिका के कर्मचारीगण, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, कालेज के एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. छात्र-छात्राएँ, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी गायत्री परिवार प्रजापति ब्रह्मकुमारी के सदस्य आदि उपस्थित रहे जिन्होंने नशा को दूर करने के लिए अपना पूरा योगदान देने के लिए शपथ ग्रहण की। अंत में सभी वालंटियर्स को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

गर्लफ्रेंड के लिए हाईटेंशन लाइन के पोल पर चढ़ा युवक शादी करने की मांग पर अड़ा पांच घंटे की समझाइश के बाद उतरा

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक अपनी प्रेमिका से शादी करने की मांग को लेकर 11 केवी हाईटेंशन लाइन के करीब 100 फीट ऊंचे बिजली के टावर पर चढ़ गया। युवक के इस कदम से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पुलिस, परिजन और ग्रामीण युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटे रहे। आखिरकार करीब पांच घंटे की मशकत और समझाइश के बाद युवक टावर से नीचे उतर आया।

सुबह-सुबह टावर पर चढ़ गया युवक: जानकारी के अनुसार छोटे आदिवासी निवासी ग्राम कल्याणपुर, तहसील बेगमगंज बुधवार सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच गांव के पास स्थित 11



केवी हाईटेंशन लाइन के करीब बने बिजली के टावर पर चढ़ गया। जब ग्रामीणों ने उसे टावर पर देखा तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लोगों ने उसे नीचे उतरने के लिए आवाज लगाई, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी।

प्रेमिका से शादी कराने रखी मांग: युवक का कहना था कि वह जिस युवती से प्रेम करता है, उससे शादी करना चाहता है। उसका आरोप था कि दोनों एक-दूसरे को पसंद करते हैं और विवाह

के लिए तैयार हैं, लेकिन युवती के परिजन इस रिश्ते के लिए राजी नहीं हैं। इसी बात से नाराज होकर उसने यह कदम उठाया।

युवती के पिता पर लगाया विरोध का आरोप: बताया जा रहा है कि युवती सागर जिले के खुरई क्षेत्र की रहने वाली है। युवक का आरोप है कि युवती के पिता लगातार इस शादी का विरोध कर रहे हैं। इसी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान था और विरोध जताने के लिए टावर पर चढ़ गया।

टावर के ऊपर से दोहराता रहा मांग: टावर पर चढ़ने के बाद युवक लगातार अपनी मांग दोहराता रहा। उसने कहा कि जब तक उसकी प्रेमिका और उसके पिता को मौके पर नहीं बुलाया जाएगा, तब तक वह नीचे नहीं उतरेंगा। वह अपनी बात पर अड़ा रहा और घंटों तक टावर पर बैठा रहा।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस: घटना की जानकारी मिलते ही बेगमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

विदिशा खंड में जनकल्याण शिविर का शुभारंभ एक ही स्थान पर मिल रही योजनाओं की जानकारी और सेवाएं

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 16 से 18 जून तक रविंद्रनाथ टैगोर संस्कृतिक भवन आडिटोरिय में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। जनकल्याण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जहां नागरिकों को शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी, आवेदन प्रक्रिया, पंजीयन तथा सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और समय की भी बचत हो रही है।



शिविर का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र व्यक्तियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, जो अब तक किसी कारणवश योजनाओं से वंचित रहे हैं। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायतों, लंबित प्रकरणों एवं विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहकर आवेदनों का

परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा जनकल्याण शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया गया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर में सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, श्रम, कृषि तथा अन्य विभागों की सेवाएं उपलब्ध

कराई जा रही हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनकल्याण शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें, पात्रता अनुसार आवेदन करें तथा अपनी समस्याओं के निराकरण का लाभ उठाएं। यह शिविर आमजन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सेवाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

रायसेन में प्री-मानसून बारिश 5 दिन से जारी उमस से मिली राहत

किसानों ने धान की बुवाई की तैयारी तेज की



मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून की औपचारिक शुरुआत से पहले रायसेन जिले में पिछले पांच दिनों से प्री-मानसून बारिश हो रही है। रुक-रुक कर हो रही इस बारिश और तेज हवाओं ने मौसम का मिजाज बदल दिया है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है और वातावरण में ठंडक

घुल गई है। किसानों ने भी धान की बुवाई के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे तेज बारिश शुरू हुई, जो लगभग 30 मिनट तक जारी रही। इसके बाद देर शाम तक हल्की बारिश का सिलसिला चलता रहा। इस बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में सड़कों पर पानी जमा हो गया।मौसम विभाग के अनुसार,

मध्य प्रदेश में मानसून 21 से 23 जून के बीच प्रवेश कर सकता है। विभाग ने बुधवार को भी गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।बारिश के साथ ही जिले के किसानों ने खरीफ सीजन की तैयारियां तेज कर दी हैं। किसान कृषि यंत्रों की मदद से खेतों की जुताई और समतलीकरण कर धान की बुवाई के लिए जमीन तैयार करने में जुटे हैं। अच्छी बारिश की उम्मीद से किसानों के चेहरों पर उत्साह देखा जा रहा है।मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, जिससे मौसम सुहावना बना हुआ है। इधर, नगर पालिका ने भी संभावित जलभराव को देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जग्गाखेड़ी में 8 नए औद्योगिक प्लॉटों की ई-बिडिंग शुरू निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में निवेश और औद्योगिक विस्तार के नए अवसर खुले हैं। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) ने यहां आठ नए औद्योगिक प्लॉटों के लिए ई-बिडिंग प्रक्रिया शुरू की है। पूर्व में सभी भूखंड आवंटित हो चुके थे, जिसके बाद नए निवेशकों की मांग पर अनुपयोगी भूमि को विकसित कर ये प्लॉट तैयार किए गए हैं। जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र के फेज-1 में जारी इन आठ प्लॉटों में दो भूखंड 1469.77 वर्गमीटर और छह भूखंड 1153.74 वर्गमीटर क्षेत्रफल के हैं। इन पर लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योग स्थापित किए जा सकेंगे। निवेशकों ने इन नए भूखंडों में रुचि दिखाई है, जिससे औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

एमपीआईडीसी ने प्रदेशभर में कुल 213 औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन के



लिए ई-बिडिंग प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें मंदसौर का जग्गाखेड़ी क्षेत्र भी शामिल है। उद्योग जगत में इस पहल को लेकर उत्साह है। उम्मीद है कि इससे नए निवेश के साथ

स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जग्गाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में बेहतर सड़क नेटवर्क, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं

उपलब्ध हैं। इन्हें सुविधाओं के कारण निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। नए भूखंडों की उपलब्धता को उद्यमियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे मंदसौर की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी। जग्गाखेड़ी अब मंदसौर के औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कृषि प्रधान जिले के रूप में अपनी पहचान रखने वाला मंदसौर अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति कर रहा है। फेज-1 में विकसित किए गए कुल 136 औद्योगिक प्लॉट पहले ही आवंटित हो चुके हैं। वर्तमान में यहां 78 इकाइयां कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। वहीं फेज-2 का विकास कार्य भी जारी है, जहां 219 नए औद्योगिक प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। ऐसे में फेज-1 में नए भूखंडों की उपलब्धता ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है और इनके लिए प्रतिस्पर्धात्मक

बिडिंग की संभावना जताई जा रही है। **छोटे जिलों में औद्योगिकीकरण को मिल रही गति:** प्रदेश सरकार की लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे मंदसौर की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी। जग्गाखेड़ी अब मंदसौर के औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कृषि प्रधान जिले के रूप में अपनी पहचान रखने वाला मंदसौर अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति कर रहा है। फेज-1 में विकसित किए गए कुल 136 औद्योगिक प्लॉट पहले ही आवंटित हो चुके हैं। वर्तमान में यहां 78 इकाइयां कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। वहीं फेज-2 का विकास कार्य भी जारी है, जहां 219 नए औद्योगिक प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। ऐसे में फेज-1 में नए भूखंडों की उपलब्धता ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है और इनके लिए प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग की संभावना जताई जा रही है।

छोटे जिलों में औद्योगिकीकरण को मिल रही गति: प्रदेश सरकार की लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे मंदसौर की औद्योगिक पहचान और मजबूत होगी। जग्गाखेड़ी अब मंदसौर के औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कृषि प्रधान जिले के रूप में अपनी पहचान रखने वाला मंदसौर अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति कर रहा है। फेज-1 में विकसित किए गए कुल 136 औद्योगिक प्लॉट पहले ही आवंटित हो चुके हैं। वर्तमान में यहां 78 इकाइयां कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। वहीं फेज-2 का विकास कार्य भी जारी है, जहां 219 नए औद्योगिक प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। ऐसे में फेज-1 में नए भूखंडों की उपलब्धता ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है और इनके लिए प्रतिस्पर्धात्मक

खंडवा में अमृत भारत एक्सप्रेस का स्टॉपेज पुणे-दानापुर ट्रेन को मिला नियमित ठहराव

खंडवा मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खंडवा जंक्शन के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और बिहार के बीच यात्रा करने वालों को बड़ी सुविधा देते हुए रेलवे ने पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस (11431/11432) का खंडवा स्टेशन पर नियमित स्टॉपेज मंजूर कर दिया है। यह ट्रेन पहले स्पेशल ट्रेन के रूप में चल रही थी, लेकिन इसका खंडवा में ठहराव नहीं था। हाल ही में खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इसके स्थायी संचालन और खंडवा में स्टॉपेज की मांग की थी, जिसे रेलवे मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। मध्य रेल क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य मनोज सोनी ने बताया कि खंडवा क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

17 जून को उद्घाटन, पूरी तरह नॉन-एसी है ट्रेन: हरी झंडी: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 17 जून को पुणे से अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद शनिवार से ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होगा। कोच की सुविधा: यह ट्रेन पूरी तरह नॉन-एसी है, जिसमें जनरल और स्लीपर श्रेणी के कुल 18 एलएचबी (शक्क) कोच लगाए जाएंगे। कम लागत में सफर: इससे विशेष रूप से स्लीपर और सामान्य श्रेणी के यात्रियों को कम लागत में लंबी दूरी की आरामदायक सुविधा मिलेगी। पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस अपने सफर में प्रमुख रूप से पुणे, दौड, अहमदनगर, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकते हुए दानापुर तक का सफर तय करेगी।

आयसर और बाइक की आमने-सामने टक्कर, दो की मौत बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर हादसा

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना इच्छापुर स्थित भोटा फाटा पुलिसा के पास हुई। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब डेढ़ बजे आयसर वाहन और एक बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। बाइक पर तीन युवक सवार थे।

खंडवा के रहने वाले थे दोनों: हादसे में खंडवा के गोडवाड़ी निवासी नीलेश (28) और यशवंत (27) की जान चली गई। एक युवक की मौके



पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरे ने जिला अस्पताल में दम तोड़ा। रोहित पिता मांगीलाल नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गया है। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शाहपुर थाना पुलिस ने इस मामले में मां कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जिला रोजगार कार्यालय में रोजगार मेला 19 जून को

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय में 19 जून को प्रातः 11:00 बजे से रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में प्रीडम एम्पलमेंटबिलिटी एकेडमी, सूर्या इंटरप्राइजेस सीहोर, सुलिन ग्लोबल एंटरप्राइजेज आदि कर्मनियों द्वारा बैंक असिस्टेंट मैनेजर, सेल्स ऑफिसर, इंग्लिश टीचर, कस्टमर केयर, सुपरवाइजर, एचआर, इंग्लिश टीचर, आदि के लगभग 220 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त शैक्षणिक एवं अन्य मूल प्रमाणपत्रों के साथ रोजगार कार्यालय सीहोर में उपस्थित हो सकते हैं।

मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागने के रिकॉर्ड की बराबरी की; 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके

नई दिल्ली,एजेसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बुधवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपने करियर की पहली हैट्रिक लगा दी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने आज ही के दिन 17 जून 2006 में फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था। 38 साल के मेसी ने 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के गेम के बाद मैदान से बाहर चले गए। कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं।

इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को अपने अगले ग्रुप मुकाबले में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। वहीं, अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी।

मैच में खास: मेसी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उनके नाम अब 16 गोल हो गए हैं।

मेसी 5 अलग-अलग वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के दूसरे फुटबॉलर बने हैं। उनसे पहले पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह कारनामा कर चुके हैं।

मेसी ने क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी: इस मैच से पहले मेसी के नाम वर्ल्ड कप में 13 गोल थे। वे जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड से तीन गोल पीछे थे। मेसी ने हैट्रिक लगाकर इस अंतर को खत्म किया और क्लोज की बराबरी पर आ गए।

मेसी ने 200वां इंटरनेशनल गोल दागा: मेसी ने



अल्जीरिया के खिलाफ शुरुआती मिनटों में गोल कर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला मेसी के इंटरनेशनल करियर का 200वां मैच भी था। उनका इंटरनेशनल करियर 2005 में 18 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ था। उनसे ज्यादा मैच केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कुवैत के बदर अल-मुतावा ने खेले हैं।

पहले हाफ में ऑफ साइड के कारण 2 गोल रद्द: मुकाबले की शुरुआत तेज रही। मेसी और अल्जीरिया के फारिस शाइबी, दोनों के गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। इसके बाद मेसी ने 30 गज दूर से गेंद हासिल की, डिफेंडर को छकाया और शानदार कर्लिंग

शॉट लगाकर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अल्जीरिया ने अर्जेंटीना को ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, एलेक्सिस मैक एलिस्टर का एक हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। दूसरी ओर अल्जीरिया के अनिस हदज मौसा ने भी मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर एर्मिलियानो मार्टिनेज ने आसानी से उसे रोक लिया।

दूसरे हाफ में छाप मेसी, 3 गोल दागे: ब्रेक के बाद मेसी लगातार अर्जेंटीना के हमलों का केंद्र बने रहे। पहले उन्होंने दूर से शॉट लगाया और फिर लाउजारो मार्टिनेज को शानदार पास दिया। उनका दूसरा गोल तब आया जब मैक एलिस्टर के तेज शॉट को गोलकीपर लुका जिदान पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके।



ईस्ट रदरफोर्ड : फ्रांस के काइलियान एम्बाप्पे ने विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में बाजील के महान फुटबॉलर पेले को पीछे छोड़ दिया है। सेनेगल के

खिलाफ फ्रांस के विश्व कप मैच एम्बाप्पे ने दो गोल दागे जिसके दम पर उनकी टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की। एम्बाप्पे ने उन तीन में से दो गोल किए और इसके साथ ही FIFA

पेले से आगे निकले फ्रांस के एम्बाप्पे विश्व कप में दागे 14 गोल

वर्ल्ड कप में उनके कुल गोल की संख्या 14 हो गई।

फ्रांस के लिए 58 गोल करके उन्होंने ओलिवियर गिरोड का फ्रेंच रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मैं इतिहास रचने और अपनी टीम को विश्व कप जीतने में मदद करने के लिए खेलता हूँ।' तीसरा विश्व कप खेल रहे 27 वर्ष के एम्बाप्पे ने विश्व कप गोल के मामले में पेले और फ्रांस के जस्ट फोंटेन को पछड़ा। वह जर्मनी के गर्ड

म्यूलेर साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर और बाजील के रोनाल्डो से एक गोल पीछे हैं। वहीं अल्जीरिया के खिलाफ 3-0 से मिली जीत में हैट्रिक लगाने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी और जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोसे के नाम विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल हैं। एम्बाप्पे फ्रांस की 2018 विश्व कप में खिलाबी जीत और 2022 में फाइनल तक ले जाने के सूत्रधार रहे। उन्होंने रीयाल मैड्रिड के लिए पिछले सत्र में 25 गोल दागे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की किसी भी टीम में मिल जाती विराट को जगह : ब्रेट ली

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑस्ट्रेलिया की किसी भी महान टीम का हिस्सा बन सकते हैं। ब्रेट ली के अनुसार इस टीम में उसी खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। जिसके केवल रनों के आंकड़े ही बेहतर नहीं हो बल्कि मानसिकता, अनुशासन और तीव्र प्रतिस्पर्धात्मकता भी उसमें होनी चाहिये। ली के अनुसार, इन कसीटियों पर केवल विराट ही सही बैठते हैं इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट में वह आक्रामकता, फिटनेस और मुकाबला करने की क्षमता है, जिस पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हमेशा गर्व रहा है। उनके अनुसार, कोहली हमेशा सफल होने के लिए निरंतर प्रयास करते थे और खेल के प्रति उनका नजरिया कभी किसी भी चीज से समझौता नहीं करता था। यह वह अटल मानसिकता ही थी जिसने उन्हें एक दशक से अधिक समय तक हावी रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम में सहजता से जगह दिला दी होती। पहले भी कई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने विराट की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया था। ये विश्व क्रिकेट में उनके असाधारण कद को साबित करता है। कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर उनसे पहले आए और उनके बाद भी आए, लेकिन अनुशासन, खेल के प्रति समर्पण और तीव्र इरादों के कारण विराट आज भी सभी से आगे खड़े हैं। उन्होंने अपने दमदार खेल के दम पर क्रिकेट जगत में एक अद्वितीय मुकाम हासिल किया है। आज भी, जब वे केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो भी जाह जाते हैं।



स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

सिडनी ,एजेसी। नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे।लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूँ कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय ऑफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। यह सीरीज 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी। लियोन ने साफ कर दिया है कि वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की बाकी सभी टेस्ट सीरीज खेलना चाहते हैं और उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक योगदान देना है।उनके सामने एक और बड़ा और व्यक्तिगत लक्ष्य 600 टेस्ट विकेट पूरे करने का है। लियोन ने अब तक 141 टेस्ट मैचों में 567 विकेट अपने नाम किए हैं। अगर वह अपनी फिटनेस बनाए रख पाते हैं और अपेक्षित प्रदर्शन करते हैं, तो मौजूदा चक्र के दौरान वह 600 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले इतिहास के छठे गेंदबाज बन सकते हैं।

बीसीसीआई ने त्रिकोणीय ए सीरीज में हुए विवाद को लेकर वैभव का बचाव किया

श्रीलंकाई बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को फटकार लगायी

मुम्बई ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका में जारी ए टीमों की त्रिकोणीय सीरीज में विवादों में फंसे भारत ए टीम के 15 साल के उमरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बचाव किया है। इस सीरीज के एक मैच में वैभव और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हलम्बामगे के बीच झड़प हुई थी। दोनों को ही एक दूसरे का धक्का देते हुए भी देखा गया था। जिससे बाद से ही दोनों पर कार्रवाई की मांग की जा रही थी। इसके बाद से ही ये सवाल उठ रहा था कि इस मामले में बीसीसीआई वैभव पर क्या कार्रवाई करता है। वहीं स पूरे मामले में अब बीसीसीआई का आधिकारिक बयान सामने आया है, जिसमें बोर्ड ने वैभव का समर्थन

किया है।

गौरतलब है कि मैच के मैदान पर हुई इस आक्रामक घटना के बाद, वैभव के व्यवहार की आलोचना शुरू हो गयी थी। कई लोगों का मानना था कि खेल के मैदान पर ऐसी आक्रामकता स्वीकार्य नहीं है और एक उमरते हुए खिलाड़ी से धैर्य की उम्मीद की जाती है। इसके बाद भी बोर्ड ने वैभव को फटकार लगाने के बजाय उनका बचाव किया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस पूरे विवाद को एक मामूली बात करार दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का पूरा ध्यान टीम की जीत और टूर्नामेंट पर केंद्रित है, न कि इस तरह के बाहर के मामलों पर बात करना। सैकिया ने कहा, हम अपने खिलाड़ियों को केवल टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करने देंगे। वे ऐसी किसी भी बाहरी या अप्रत्याशित घटना से अपना ध्यान न भटकाएं। हमसे साफ है कि बोर्ड अपने खिलाड़ियों को बचाना चाहता है।

बाहर के मामलों पर बात करना। सैकिया ने कहा, हम अपने खिलाड़ियों को केवल टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करने देंगे। वे ऐसी किसी भी बाहरी या अप्रत्याशित घटना से अपना ध्यान न भटकाएं। हमसे साफ है कि बोर्ड अपने खिलाड़ियों को बचाना चाहता है।

टाइम मैगजीन की शीर्ष 100 खिलाड़ियों की सूची में मंधाना शामिल

लंदन ,एजेसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने साल 2026 के लिए अपने 100 प्रभावशाली खिलाड़ियों की जो सूची जारी की है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को भी जगह मिली है। हैपनी की बात ये है कि इसमें

इसमें भारतीय पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और युवा कप्तान शुभमन गिल को भी जगह नहीं मिली है। इस प्रकार भारत से केवल मंधाना ही इस वैश्विक प्लेटफॉर्म पर स्थान पाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे उनके बढ़ते प्रभाव का अंदाजा होता है।

सलामी बल्लेबाज मंधाना ने अपने करियर में कई अहम रिकार्ड बनाये हैं। उनके नाम महिला टी20 में सर्वाधिक 34

अर्धशतक हैं। इस प्रारूप में वह 4401 रन बनाकर दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली क्रिकेटर भी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में भी वह भारत की ओर से दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। इससे उनकी असाधारण निरंतरता का अंदाजा होता है। गौरतलब है कि टाइम मैगजीन की इस प्रतिष्ठित सूची में उन खिलाड़ियों, कोचों, समर्थकों और निवेशकों को सम्मानित किया गया है। जिन्होंने खेल की दुनिया में गहरा प्रभाव डाला है। मंधाना के साथ इसमें विश्व लेब्रॉन जेम्स, फुटबॉल स्टार्डकर लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो, के अलावा दिग्गज गोल्फर रोरी मैक्लॉय, क्रिकेटर टेन्बा बावुमा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। मैगजीन ने मंधाना की कई



विशिष्ट उपलब्धियों को रेखांकित किया है। घरेलू एकदिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी के रूप में भी उनकी सराहना हुई है। साथ ही वह तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों (टेस्ट, वनडे, टी20) में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में संयुक्त रूप से 17 शतक दर्ज हैं। मैगजीन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 2024 और 2026 में महिला प्रीमियर लीग का खिताब

जीतने में उनकी कप्तानी भूमिका का भी जिक्र किया, और उन्हें पिछले साल एकदिवसीय विश्व वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की उपकप्तान के रूप में भी याद किया। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाली मंधाना ने 2025 वनडे वर्ल्ड कप में भी अविस्मरणीय प्रदर्शन किया था। नौ मैचों में 54.25 की औसत से 434 रन बनाकर, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल थे, वह भारत की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रही है।

अंजुम ने दीप्ति में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बताया, टीम को जीत दिलाने में रहता है योगदान



नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि वह भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हैं। खेल के तीनों ही विभागों में बेहतरीन प्रदर्शन कर यह विशेष प्रभाव छोड़ती हैं। अंजुम ने दीप्ति प्रभाव की जमकर सराहना करते हुए उन्हें उन दुर्लभ क्रिकेटरों में से एक बताया है जिनके पास बल्लेबाजी, गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण के संयोजन से मैच का रुख बदलने की क्षमता होती है। चोपड़ा ने ये प्रतिक्रिया दीप्ति के बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप मैच में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए की है। इसमें उन्होंने पांच विकेट लेकर भारत को 64 रन से विजयी शुरुआत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अंजुम ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भारतीय टीम के लिए खेलते हुए किसी ऐसे ऑलराउंडर की याद नहीं है जिसने दीप्ति जैसा प्रभाव डाला हो। उन्होंने कहा, हमारे पास ऑलराउंडर रहे हैं, लेकिन जब निरंतर प्रदर्शन की बात आती है, तो मुझे लगता है कि दीप्ति न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में उन कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो किसी भी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि दीप्ति निस्संदेह भारत की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल हैं और उन्हें बड़े मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है। साथ ही कहा कि यह केवल दीप्ति ही नहीं, बल्कि मौजूदा भारतीय टीम में कुछ और क्रिकेटर भी हैं जो दबाव वाले मैचों में अपना खास प्रभाव छोड़ना पसंद करते हैं और सुर्खियों में रहने का आनंद लेते हैं। अंजुम ने कहा कि यही बात मौजूदा भारतीय टीम को विशेष बनाती है, क्योंकि वे कठिन हालातों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर टीम के लिए अहम योगदान देते हैं। वर्तमान विश्व कप में भारत की संभावनाओं को लेकर अंजुम ने स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मंधाना एक स्टार खिलाड़ी हैं, जो अपनी स्ट्राइकल बल्लेबाजी और लगातार रन बनाने की क्षमता से भारत को मैच जिताने में मदद करती हैं। मंधाना ने स्मृति को हमेशा एक कुशल बल्लेबाज के रूप में देखा है जो तकनीकी रूप से मजबूत हैं और मैदान के चारों ओर शॉट्स खेलने में संक्षम हैं। साथ ही कहा कि अंजुम और दीप्ति जैसी खिलाड़ी भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं।

खिलाड़ी जश्न मनारों पर तय सीमा के अंदर : मैकुलम



लंदन ,एजेसी। नाइटक्लब विवाद को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि खिलाड़ियों को सफलता के बाद जश्न मनाने का अधिकार है पर इस दौरान उन्हें ध्यान रखना चाहिये कि ये एक सीमा के अंदर हो। साथ ही कहा कि किसी भी हाल में व्यवहार खराब न हो। नाइटक्लब कांड में टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और गार एटकिंसन फंसे हैं और इसी कारण दूसरे टेस्ट से भी बाहर कर दिये गये हैं। मैकुलम के अनुसार उनके खिलाड़ी अधिक जिम्मेदारी से फैसला लें और ऐसी कोई हरकत न करें जिससे माहौल खराब हो। मैकुलम ने माना है कि वह भी नाइटक्लब प्रकरण के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में, मैं कोच होने के कारण टीम का प्रभारी हूँ और जो भी चीजें ठीक से काम नहीं करती, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूँ। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खिलाड़ियों के लिए हर व्यक्तिगत फैसला नहीं ले सकते। मैकुलम ने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, मेरा काम एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जो उन युवा खिलाड़ियों को सहारा दे सके जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर उच्च दबाव और कड़ी निगरानी का सामना कर रहे हैं। वे साल के बारह महीने पर से दूर रहते हैं और इसके साथ आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करते हैं।

हर किसान को सहकारी समिति का सदस्य बनाएं सहकारी समितियों ने गेहूँ उपार्जन में शानदार कार्य किया है : यादव



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र यादव ने एक दिवसीय प्रवास के दौरान रीवा में सहकारी बैंक और सहकारी समितियों के कार्यों की समीक्षा की। नवीन सर्किट हाउस सभागार में आयोजित रीवा तथा शहडोल संभाग की संयुक्त बैठक में प्रशासक यादव ने कहा कि सहकारी बैंक किसानों का बैंक है हर किसान को सहकारी समिति का सदस्य बनाने तथा सहकारी बैंक में खाता खोलने के प्रयास करे इसके लिए 30 जून तक चलाए जा रहे विशेष सदस्यता अभियान को कारगर बनाएं। यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने

वर्तमान वर्ष को किसान वर्ष घोषित करके किसानों की आय को दुगुना बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ दे रहे हैं मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार सहकारी बैंक अधिक से अधिक किसानों को बैंक से जोड़ने का प्रयास करें प्रशासक यादव ने कहा कि प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूँ का रिकार्ड उपार्जन हुआ है सहकारी समितियों ने गेहूँ उपार्जन में शानदार कार्य किया है सहकारी बैंक कृषि के साथ-साथ इससे जुड़े अन्य व्यवसायों के लिए भी किसानों को ऋण उपलब्ध कराए पहले किसानों को 18 प्रतिशत व्याज पर ऋण मिलता था। आज हमारी सरकार जीरो प्रतिशत व्याज पर



किसानों को ऋण दे रही है। सहकारी बैंक में अन्य बैंकों की तुलना में जमा राशि पर वरिष्ठ नागरिकों को एक प्रतिशत अधिक व्याज भी दिया जा रहा है। बैंक के कार्यों और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करारकर इसके व्यवसाय में वृद्धि करे बैंक से समय पर लेन-देन करने वाले किसानों को वर्ष में समारोहपूर्वक सम्मानित करें। किसानों से नियमित संवाद रखें। अपने व्यवसाय में वृद्धि के लिए जनप्रतिनिधियों तथा किसान संगठनों का भी सहयोग लें बैठक में प्रशासक ने कहा कि सभी सहकारी समितियों में खाद का पर्याप्त भण्डारण करारकर किसानों को वितरण शुरू कराएं। फसल की बोनी से पहले

किसान के पास पर्याप्त खाद पहुंचाने की व्यवस्था करें। एपेक्स बैंक की समीक्षा बैठकें अब प्रत्येक जिले में आयोजित की जाएंगी। इनमें सहकारी बैंक के अच्छे ग्राहक किसानों से संवाद भी किया जाएगा। बैठक में अपेक्स बैंक भोपाल के प्रतिनिधि राजकुमार गंगेले ने बताया कि रीवा और सतना सहकारी बैंक इस वर्ष तीन सौ करोड़ से अधिक का ऋण वितरित करेंगे। शहडोल बैंक द्वारा 87 करोड़ तथा सीधी सहकारी बैंक द्वारा 100 करोड़ ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। सभी सहकारी बैंकों में ऋणों की वसूली गति को तुलना में 150 प्रतिशत से अधिक हुई है सहकारी समितियों को बिना किसी

रिस्क के इफको एमसी आउटलेट व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है इसके लिए इफको तकनीकी सहयोग देने के साथ-साथ दो लाख रुपए की सामग्री 6 माह की अवधि के लिए बिना किसी व्याज के उपलब्ध कराएगी। किसान सहकारी समिति से खाद और बीज खरीदने के साथ इस आउटलेट से कीटनाशक दवाएं खरीद सकेंगे इसके लिए समिति को कोई अतिरिक्त व्यवस्था नहीं करनी पड़ेगी समिति को कीटनाशकों की बिक्री से 8 से 18 प्रतिशत तक लाभ मिलेगा बैठक में सहकारी बैंकों का व्यवसाय बढ़ाने समितियों की लेनदारी की वसूली सहकारी बैंक में कर्मचारियों की भर्ती रीवा में सहकारी बैंक के लिए भवन निर्माण तथा मंदसौर जिले के नाहरगढ़ सहकारी समिति मॉडल को लागू करने के संबंध में चर्चा की गई जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने प्रशासक का स्वागत करते हुए सहकारी बैंक और समिति के कार्यों की जानकारी दी बैठक में रीवा और शहडोल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे बैठक का समापन संभागीय प्रबंधक अपेक्स बैंक रीवा विनीत दुबे द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, चार मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त लाल रंग की होंडा कार क्रमांक MP09-WL-3464 जब्त की है गिरफ्तार आरोपियों में रामसखा पाण्डेय (47 वर्ष) निवासी पाण्डेय बरौली थाना जवा, मुकेश पाण्डेय (38 वर्ष) निवासी गढ़रिया थाना बिछिया तथा अभय द्विवेदी (31 वर्ष) निवासी चुरहट जिला सीधी शामिल हैं प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून 2026 को फरियादी रामायण प्रसाद पाण्डेय ने थाना जवा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके भाई रामसखा पाण्डेय अपने दो साथियों के साथ लाल रंग की होंडा कार से

आकर पुराने विवाद के चलते जान से मारने की नीयत से फायरिंग की जिसमें गोली घर के गेट में लगी इसके बाद आरोपियों ने गोली-गोलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी रिपोर्ट पर थाना जवा में अपराध क्रमांक 142/26 धारा 109(1), 296(बी), 351(3), 3(5) बीएनएस एवं 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से खाली खोखे बरामद किए। मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने अतैरौला-रीवा मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन सहित तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया पुछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया जिसके बाद सभी को न्यायालय त्योंथर में पेश कर जेल भेज दिया गया कार्रवाई में डभौरा एसडीओपी नारायण सिंह कुन्हारे सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अपेक्स बैंक के प्रशासक यादव ने रीवा में किया पौधरोपण एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी केन्द्रीय बैंक (अपेक्स बैंक) के प्रदेश प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव ने रीवा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान बैंक के कार्यों की समीक्षा की इस दौरान उन्होंने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रीवा के परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आम के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया इस अवसर पर प्रशासक यादव ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष कम से कम पाँच पौधे रोपित कर उनकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए उन्होंने सभी सहकारी



समितियों के कार्यालयों में भी समारोहपूर्वक पौधरोपण करने की अपील की यादव ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मध्यप्रदेश को हरित और स्वच्छ बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए हर नागरिक को सक्रिय योगदान देना चाहिए पौधरोपण केवल

एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कार्यक्रम के दौरान जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रीवा के कर्मचारियों एवं सहकारी समितियों के प्रबंधकों ने प्रशासक यादव का गजमाला पहनाकर स्वागत किया। इस

अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की इस मौके पर महाप्रबंधक सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, संभागीय प्रबंधक अपेक्स बैंक रीवा विनीत दुबे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने पर बल दिया यह कार्यक्रम न केवल हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा बल्कि सहकारी बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने का भी सशक्त उदाहरण बना।

कांग्रेस कमेटी एवं देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ‘छात्र संवाद’ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रमाशंकर सिंह पटेल के कुशलनमार्गदर्शन में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष जशवंत सिंह कछवाह के नेतृत्व में आज क्षेत्र के युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एवं देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एक साथ देखा इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं ने राहुल गांधी के विचारों का पुर्जोर समर्थन किया पूर्व प्रत्याशी रमाशंकर सिंह पटेल की अनुपस्थिति में उनके मार्गदर्शन के अनुसार कार्यक्रम का सफल संपादन किया गया राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम का सामूहिक लाइव प्रसारण मोबाइल के माध्यम से देखा गया छात्रों और युवाओं के अधिकारों के लिए राहुल गांधी की मुहिम को मजबूती देना प्रमुख वक्तव्य कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस अध्यक्ष जशवंत सिंह ने कहा कि भले ही हमारे वरिष्ठ नेता रमाशंकर सिंह पटेल आज अपरिहार्य कारणों से उपस्थित



नहीं हो सके, लेकिन उनके कुशल मार्गदर्शन और ऊर्जा के बदौलत त्योंथर का युवा आज एकजुट है त्योंथर का युवा पूरी तरह से राहुल गांधी की सोच और कांग्रेस पार्टी की नीतियों के साथ खड़ा है। युवाओं के हक और अधिकारों की इस लड़ई को गांव-गांव और बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा कार्यकर्ताओं का मिला भागी समर्थन इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख कांग्रेस पदाधिकारी सेवादल के ब्लॉक अध्यक्ष मिथिलेश

तिवारी,इलाही बख्श,रविचंकर तिवारी,सत्यम केशरवानी,नगर अध्यक्ष रामचंद्र सिंह,अनुरूप पाल,नवीन खान,चंद्रमणि मांझी,अंकुश उपाध्याय,प्रिंस विश्वकर्मा,ऋषभ यादव एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता, और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे सभी ने एक स्वर में राहुल गांधी के विजन की सरहना की और आने वाले समय में युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

150 से अधिक तोतों को शिकारियों के चंगुल से मुक्त कराने वाले युवाओं का कांग्रेस कार्यालय में सम्मान



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के जवा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पथरौड़ा में वन्यजीव संरक्षण का एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है यहां शिकारियों द्वारा लगभग 150 से अधिक तोतों को जाल में फंसाकर अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था जिसे

क्षेत्रभर में सराहना की जा रही है इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष ईंजी. राजेन्द्र शर्मा ने जिला कांग्रेस कार्यालय में तीनों युवाओं का माल्यार्पण कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इन युवाओं का कार्य न केवल वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रतीक है बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का भी

उत्कृष्ट उदाहरण है ईंजी. शर्मा ने कहा कि वन्यजीवों और पक्षियों की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य युवाओं को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने तीनों युवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका यह कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा कार्यक्रम में संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी, सज्जन पटेल, पूर्व विधानसभा प्रभारी रमाशंकर पटेल, विधानसभा प्रभारी राजू सिंह सेंगर, सत्यनारायण तिवारी, जी.पी. विपाटी, प्रदीप अवस्थी, सिद्धनाथ पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश्वर पटेल, विष्णु शुक्ला, जीतेन्द्र सिंह, रफीक अंसारी, सुरेश वर्मा, बलराम तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में संवेदनशीलता का संदेश देना रहा।

उत्कृष्ट उदाहरण है ईंजी. शर्मा ने कहा कि वन्यजीवों और पक्षियों की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और अन्य युवाओं को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने तीनों युवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका यह कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा कार्यक्रम में संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी, सज्जन पटेल, पूर्व विधानसभा प्रभारी रमाशंकर पटेल, विधानसभा प्रभारी राजू सिंह सेंगर, सत्यनारायण तिवारी, जी.पी. विपाटी, प्रदीप अवस्थी, सिद्धनाथ पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश्वर पटेल, विष्णु शुक्ला, जीतेन्द्र सिंह, रफीक अंसारी, सुरेश वर्मा, बलराम तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में संवेदनशीलता का संदेश देना रहा।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता एवं डिटपी मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल की उपस्थिति में हुई कैबिनेट बैठक में कथित रूप से सरकारी अस्पतालों को निजी संस्थाओं के माध्यम से संचालित करने के निर्णय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह एक्सेक्वेट ने कड़व विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री



से इस्तीफे की मांग की है शिव सिंह ने कहा कि सरकार 18 गुना, देवास सहित रीवा जिले के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को पायलट प्रोजेक्ट के तहत निजी संस्थाओं के माध्यम से संचालित करने का निर्णय जनहित के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से प्रदेश की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर होगी और

गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इलाज और अधिक महंगा हो जाएगा उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें इलाज के लिए गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। निजीकरण बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकार का निर्भर कम हो जाएगा और निजी कंपनियों का प्रभाव बढ़ेगा,

जिससे आम जनता की पेशानियाँ बड़ सकती हैं साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि इस कदम का असर सरकारी नौकरियों और स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार पर भी पड़ेगा शिव सिंह ने प्रदेश की जनता से अपील की कि स्वास्थ्य जैसी मूलभूत और संवेदनशील सेवा के निजीकरण के खिलाफ एकजुट होकर विरोध दर्ज करवा जाए। उन्होंने कहा कि यह निर्णय जनहित और सामाजिक न्याय की भावना के विपरीत है तथा इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए उन्होंने मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री से इस नीति पर पुनर्विचार करने और जनहित में पारदर्शी एवं मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को बनाए रखने की मांग की।

नीट परीक्षा के लिए सुरक्षा के समुचित प्रबंध करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट प्रवेश परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की कलेक्टर ने कहा कि नीट परीक्षा के संबंध में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का कठोरता से पालन करते हुए सुरक्षा के समुचित प्रबंध करें प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारी और नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं परीक्षा केन्द्र के बाहर पुलिस और होमगार्ड्स द्वारा सुरक्षा की व्यवस्था की जाएगी परीक्षा केन्द्र के अंदर सुरक्षा एजेंसी द्वारा जैमर तथा सीसीटीवी कैमरे लगाकर व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा संचालन के लिए सुचारु व्यवस्था की हिदायत दे दें पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराएं कलेक्टर ने कहा कि नीट परीक्षा व्यवस्था में



समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम बना दिया गया है। व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारी कंट्रोल रूम से संपर्क में रहें। सभी अधिकारी समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। रीवा में

बैंक से प्रश्नपत्र परीक्षा केन्द्र तक ले जाने के लिए प्रत्येक केन्द्र के लिए अलग-अलग वाहन तैनात कर दिया है। प्रश्नपत्र सुरक्षा बलों की निगरानी में परीक्षा केन्द्र तक जाएँ। पुलिस अधिकारी सुरक्षा

एजेंसी से समन्वय बनाकर सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करें। विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र में किसी भी तरह की पेशानी नहीं होनी चाहिए विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र में पानी नास्ते आदि

की व्यवस्था कराएं विद्यार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों के बैठने के लिए भी व्यवस्था करें बैठक में पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह ने बताया कि नीट परीक्षा के लिए 21 जून को यातायात व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन के लिए पूरा प्लान बना दिया गया है पुलिस और होमगार्ड्स के अधिकारी और जवान सुरक्षा में मुस्तैद रहेंगे। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में महिला सुरक्षाकर्मी भी तैनात रहेंगी सभी नोडल अधिकारी पुलिस अधिकारियों से निरंतर संपर्क में रहें। बैठक में अपर कलेक्टर मती सपना त्रिपाठी ने नीट परीक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में डिटपी कलेक्टर राकेश चौरसिया, होमगार्ड्स के अधिकारी, प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय, सुरक्षा एजेंसी के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार तथा निगम आयुक्त अक्षत जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता नॉल्लेज पार्टनर फोडबैक फाउंडेशन द्वारा बुधवार को नगर निगम रीवा के टाउन हॉल में महिला सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य स्वच्छता एवं सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ नगर निगम रीवा के उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिला सफाई मित्रों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वच्छ शहर निर्माण में उनकी भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र नगर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनका स्वस्थ रहना स्वच्छता कार्यों की प्रभावशीलता के लिए



आवश्यक है उपायुक्त द्विवेदी ने कहा कि स्वास्थ्य और स्वच्छता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं यदि सफाई मित्र स्वस्थ रहें तो शहर भी स्वच्छ और स्वस्थ रहेगा उन्होंने सभी प्रतिभागियों से सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की कार्यशाला में प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा महिला सफाई मित्रों को स्वच्छता प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें कचरा पृथक्करण, सुरक्षित हैंडलिंग, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सुरक्षा उपकरणों जैसे दस्ताने, मास्क,

गमबूट और एप्रन के उपयोग एवं उनके रखरखाव पर विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया गया इसी अवसर पर टाउन हॉल में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें सफाई मित्रों के ब्लड प्रेशर, शुगर ब्लड टेस्ट सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचों की गई स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला सफाई मित्रों ने भाग लिया और इसे उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जागरूकता के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।